

# क्रांति सामाज्य

क्रांति समय दैनिक समाचार में  
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें  
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023  
संपर्क नं.-9879141480  
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार, 10 मार्च-2023 वर्ष-6, अंक-45 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com

www.facebook.com/krantisamay1

www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त

सोहा अली खान ने बेटी के साथ खेली होली



देशभर में धूम धाम से होली मनाई जा रही है। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर होली खेलते हुए एक वीडियो शेयर किया है, इस वीडियो में सोहा अपनी 5 साल की बेटी और पति कुणाल खेमू के साथ जमकर होली खेलती हुई नजर आ रही हैं। सोहा के इस वीडियो में कुणाल पिचकारी से रंग डाल रहे हैं और पूरी तरह रंग में भीगे नजर आ रहे हैं। वहीं एक्ट्रेस अपनी बेटी के साथ गुलाल खेलती हुई नजर आईं। वीडियो में कपल के अलावा उनके दोस्त भी दिखाई दे रहे हैं। कुल मिलाकर इस वीडियो में सभी काफी एंजॉय करते हुए दिखाई दिए। सोहा अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह लम्बे समय से फिल्मों से दूर थीं। लेकिन हाल ही में उन्होंने डब्लू से डेब्यू किया था। उन्हें 'वेब सीरीज 'हश हश' में देखा गया था। इसमें जुही चावला, कृतिका कामरा, करिष्मा तन्ना और शहाना गोस्वामी भी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। सोहा के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वे छोरी 2 में दिखाई देंगी।



# अलविदा सतीश कौशिक...

66 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

नई दिल्ली। मशहूर अभिनेता एवं फिल्मकार सतीश कौशिक का बृहस्पतिवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके करीबी दोस्त एवं अभिनेता अनुपम खेर ने यह जानकारी दी। कौशिक 66 वर्ष के थे। खेर ने बताया कि कौशिक दिल्ली में अपने एक दोस्त के घर पर थे, जब उन्होंने बेचैनी होने की शिकायत की। खेर ने कहा, हृदयवैद्य महसूस होने के बाद कौशिक ने चालक से उन्हें अस्पताल ले जाने को कहा। देर रात करीब एक बजे उन्हें (अस्पताल जाते समय) रास्ते में ही दिल का दौरा पड़ा। इससे पहले, खेर ने एक ट्वीट

में लिखा था कि वह कौशिक के आकस्मिक निधन के बारे में सुनकर स्तब्ध हैं। उन्होंने ट्वीट किया था, मुझे पता है कि मृत्यु अंतिम सत्य है, लेकिन मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे अपने सबसे अच्छे दोस्त सतीश कौशिक के बारे में ऐसा लिखना होगा। 45 साल की दोस्ती पर अचानक पूर्ण विराम। तुम्हारे बिना जीवन पहले जैसा नहीं रहेगा सतीश। ओम शांति। कौशिक ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर किए आखिरी पोस्ट में प्रसिद्ध गीतकार एवं लेखक जावेद अख्तर द्वारा सात मार्च को मुंबई में आयोजित वार्षिक होली समारोह की तस्वीरें साझा की थीं। फिल्म हृदयमज्जो में कौशिक के साथ काम कर चुकीं अभिनेत्री कंगना रनौत ने उन्हें एक हृदयदयालु और सच्चा इंसान कहते हुए याद किया। इमरजेंसीहू अभी रिलीज नहीं हुई



है। कंगना ने ट्वीट किया, हृदयमज्जो दुखद खबर के साथ सुबह की शुरुआत हुई। वह मेरी काफी होसलाअफजाई करते थे... एक बहुत ही सफल

अभिनेता और निर्देशक। सतीश कौशिक जी बेहद दयालु और सच्चे इंसान थे। हृदयमज्जो में उनके साथ करके काफी अच्छा लगा। उनकी कमी हमेशा खलेगी, ओम शांति हृदयमज्जो नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) और फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के पूर्व छात्र कौशिक को हजाने भी दो यारोंहू, हृदयमज्जो इंडियाहू, हृदयवाना मस्तानाहू और हृदयुता पंजाबहू जैसी फिल्मों में निभाए उनके किरदारों के लिए काफी सराहना मिली थी। हास्य अभिनेता के तौर पर भी कौशिक ने काफी लोकप्रियता हासिल की थी। वह एक फिल्म निर्देशक भी थे। उन्होंने हृदयमज्जो नामहू और हृदयमज्जो कुछ कहना हैहू जैसी कई फिल्मों का निर्देशन किया था। कौशिक के परिवार में पत्नी और बेटी हैं।

## 8 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या



हरदोई। होली के दिन बुधवार को 8 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। बच्ची को घर के बाहर से अगवा किया गया था। करीब एक घंटे बाद वह खून से लथपथ अर्धनग्न हालत में घर के बाहर मिली। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूरी घटना पंचदेवरा थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की है। पुलिस ने पिता की तहरीर पर रेप के बाद हत्या की एफआईआर दर्ज कर ली है। पिता ने पड़ोस में रहने वाले किशन कुमार नाम के युवक पर शक जताया था। पुलिस ने बताया कि बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। तभी वह लापता हो गई। पड़ोस में ही बुआ का घर था। ऐसे में परिवार को लगा कि बच्ची बुआ के घर चली गई होगी। इसलिए, उसकी ज्वादा तलाश नहीं की।

# शिंदे सरकार का पहला बजट फंडणवीस ने पेश किया

गोवंश आयोग की स्थापना होगी, किसानों को सालाना 6 हजार दिए जाएंगे

मुंबई। महाराष्ट्र में शिंदे सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में बजट 2023-2024 पेश किया। यह बजट वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस की तरफ से पेश किया गया। इस दौरान फडणवीस ने गोवंश आयोग की स्थापना करने की घोषणा की। इसके तहत अधिक से अधिक देशी गोवंश पैदा करने के लिए रिसर्च की जाएगी। अहमदनगर में एक नया वेटरनरी मेडिकल कॉलेज भी खोला जाएगा। केंद्र सरकार के किसान सम्मान निधि योजना की तरह ही अब राज्य में किसानों को सालाना 6 हजार रुपये दिए जाएंगे। राज्य में किसान अब सिर्फ एक रुपए में पीएम फसल बीमा योजना का रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। सरकार ने घोषणा की है कि राज्य में 14



मेडिकल कॉलेज बनाए जाएंगे। यह कॉलेज अमरावती, भंडारा, जलगांव, रत्नागिरी, सतारा, अलीबाग, सिंधुदुर्ग, धाराशिव, परभणी, गढ़चिरोली, वर्धा, बुलढाणा, पालघर, अंबरनाथ (उप) में खोले जाएंगे। इसके अलावा शिंदे सरकार ने नए नशामुक्ति केंद्र खोलने की भी बात

कही है। राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती के तहत फसल उगाई जाएगी। इसके अलावा 1000 बायो-इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित खोले जाएंगे। सिर्फ 1 रुपए में डट फसल बीमा योजना का रजिस्ट्रेशन होगा। राज्य के किसान अब सिर्फ एक रुपए में

## अलीगढ़: मां और दो बेटियों की लाश घर में मिली

अलीगढ़। एक मां और उसकी दो बेटियों की लाश घर में मिली है। बेटियों की उम्र 26 और 29 साल थी। जबकि मां की उम्र 55 साल थी। पुलिस को आशंका है कि मां ने पहले दोनों बेटियों को जहर दिया। फिर खुद खाकर जान दे दी। महिला के पति की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में तीन ही लोग थे, अब कोई नहीं बचा है। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के इस्लाम नगर का है। यहां 55 साल की नगीना अपनी दो बेटियों बानो और पाकी के साथ किराए के मकान में रहती थीं। उसके पति खलील की कई सालों पहले मौत हो गई थी। इसके बाद से पूरे परिवार के भरपूर पोषण की जिम्मेदारी नगीना के ऊपर ही थी। वो मजदूरी करती थी। बुधवार देर शाम तक जब परिवार का कोई सदस्य बाहर नहीं निकला तो लोगों को संदेह हुआ। आस-पास के लोगों ने घर के अंदर झांका, तो पूरा परिवार बेसुध पड़ा था। लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी।



इसके बाद मौके पर पहुंची। तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि पिछले कुछ दिनों से नगीना की तबीयत खराब चल रही थी। उसके लीवर में दिक्कत थी। इस कारण वह काम करने भी नहीं जा पा रही थी। पूरा परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। घर में खाने तक की दिक्कत होने लगी थी। आशंका है कि इस कारण महिला ने पूरे परिवार के साथ जान दे दी। पुलिस के मुताबिक, कमरे की हालात देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि महिला ने पहले खाने में जहर मिलाकर दोनों बेटियों को खिलाया। जब बेटियों ने खाना खा लिया, तो फिर उसने भी जहर खा लिया।

# मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम के साथ ग्राउंड का चक्कर लगाया

दोनों ने अपने-अपने कप्तानों को कैप दी, राष्ट्रगान के समय टीम के साथ खड़े रहे

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत अहमदाबाद में यादगार बन गई। दोनों देशों के प्रधानमंत्री मौजूद रहे। पीएम नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी एल्बनीज की अगुआई की। दोनों एक साथ मैदान में पहुंचे। दोनों पहले अपने-अपने देशों के खिलाड़ियों से मिले। मोदी ने रोहित और एल्बनीज ने स्टीव स्मिथ को कैप पहनाई। इस दौरान अपने कप्तान से बात कर रहे एल्बनीज को मोदी ने अपनी तरफ खींचा और फोटो खिंचवाने के लिए कहा। फिर दो कप्तान- दो पीएम की ऐतिहासिक फोटो नरेंद्र मोदी स्टैडियम में क्लिक हुईं। मोदी और एल्बनीज ने गोल्फ कार पर मैदान का चक्कर भी लगाया। पीएम मोदी, कैप्टन रोहित शर्मा साथ मैदान में पहुंचे, जहां रोहित ने उन्हें सभी खिलाड़ियों का इंट्रोडक्शन दिया। पीएम ने टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया। इसके बाद राष्ट्रगान में वे रोहित शर्मा से ठीक पहले खड़े हुए। राष्ट्रगान के बाद में वे एल्बनीज के साथ स्टैडियम में लौट आए। पीएम मोदी सुबह 8.30 बजे स्टैडियम पहुंच गए थे। शुरुआती आधे घंटे का मैच देखने के बाद वे राजभवन के लिए रवाना हो गए।



## पंजाब सरकार के नए बिल को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। पंजाब सरकार के एक बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूरी दे दी है। जिसके बाद यह कानून बन गया है। इस नए कानून के तहत राज्य के 11,200 से ज्यादा लोगों को संपत्ति का अधिकार मिल गया है। बता दें कि राज्य की चार हजार एकड़ जमीन पर बसे 11200 लोगों को उचित मुआवजे के भुगतान के बाद संपत्ति का अधिकार मिल जाएगा। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलंगाना सरकार के एक बिल को भी अपनी मंजूरी दे दी है। इस नए कानून के लागू होने के बाद अपराधियों के जमानतियों की मुश्किल बढ़ जाएगी। बता दें कि पंजाब में

भेदेदार, बुटेमार, दोहलीदार, इंसार मियादी, मुकर्रिदार, मुंधमार, पनाही कदीम, सौजीदार, तारदकार समुदायों को संपत्ति अधिकार मिल गया है। इन वर्गों के लोग कई पीढ़ियों से राज्य की करीब चार हजार एकड़ जमीन पर काबिज थे। अब उचित मुआवजे के भुगतान के बाद इन लोगों को जमीन का मालिकाना हक दे दिया जाएगा। इस बिल को साल 2020 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के समय में पंजाब विधानसभा में पास कराया गया था। अब आम आदमी पार्टी की सरकार ने भी इस बिल को मंजूरी दे दी थी तो उसे राष्ट्रपति के पास अंतिम मंजूरी के लिए भेजा था।

## होली पर सिसोदिया का ट्वीट से हाहाकार, भाजपा ने पूछा- जेल में मनीष के पास फोन?

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इन दिनों तिहाड़ जेल में बंद हैं। इस बीच होली (8 मार्च) के दिन शाम के वक्त उनके आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया जिसे लेकर अब राजनीतिक गलियारों में हाहाकार मच गया है। सिसोदिया के इस ट्वीट को लेकर भाजपा उन पर हमलावर है। उन पर आरोप लग रहा है कि वह जेल में मोबाइल इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने ट्वीट किया, 'जेल में मनीष सिसोदिया के पास फोन?' गौरतलब है कि 26 फरवरी को सीबीआई द्वारा हिरासत में लिए



जाने के बाद से अब तक मनीष सिसोदिया ने कोई ट्वीट नहीं किया था। उनके ट्विटर हैंडल से होली की शाम को पहली बार एक ट्वीट किया गया है जिसे लेकर बवाल मच गया है। मनीष सिसोदिया के इस ट्वीट में लिखा है, 'आज तक सुना था कि देश में स्कूल खुलते हैं तो जेल बंद होते हैं; लेकिन अब इन लोगों ने तो देश में स्कूल खोलने वालों को ही जेल में बंद करना शुरू कर दिया।' आज तक सुना था कि देश में स्कूल खुलते हैं तो जेल बंद होते हैं; लेकिन अब इन लोगों ने तो देश में स्कूल खोलने वालों को ही जेल में बंद करना

शुरू कर दिया। आज तक सुना था कि देश में स्कूल खुलते हैं तो जेल बंद होते हैं; लेकिन अब इन लोगों ने तो देश में स्कूल खोलने वालों को ही जेल में बंद करना शुरू कर दिया। मनीष सिसोदिया के इस ट्वीट से भारतीय जनता पार्टी में मनीष सिसोदिया पर सबाल उठाने का मौका मिल गया है। वहीं माना जा रहा है कि सिसोदिया के इस अकाउंट को उनकी सोशल मीडिया टीम हैंडल कर रही है या तो उनकी पत्नी। कहा जा रहा है कि दोनों में से किसी एक के द्वारा यह ट्वीट किया गया है। हालांकि इसे लेकर आम आदमी पार्टी की तरफ से अभी कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है।

## चीन-पाक ने उकसाया तो सैन्य कार्रवाई कर सकता है भारत

नई दिल्ली। अमेरिका की इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने बुधवार को दावा किया है कि आने वाले समय में चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्तों में तनाव और भी बढ़ सकता है। जिसका जवाब भारत सैन्य कार्रवाई कर देगा। रिपोर्ट में लिखा है- पिछली सरकारों की तुलना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में इस बात की आशंका बढ़ गई है कि चीन और पाकिस्तान की तरफ से की गई किसी भी भड़काऊ हरकत के जवाब में भारत अपनी मिलिट्री को उतार सकता है। अमेरिकी संसद में एनुअल श्रेट एसेसमेंट यानी बाहरी खतरों का सालाना आंकलन करने वाली रिपोर्ट पेश की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन और भारत बातचीत के जरिए बॉर्डर पर जारी



विवाद को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बावजूद दोनों देशों के बीच रिश्तों में तनाव बना रहेगा। अमेरिकी

इंटेलिजेंस ने कश्मीर को भारत-पाक के बीच रिश्तों में तनाव बढ़ाने की अहम वजह माना है। रिपोर्ट में लिखा है कि

2021 में लाइन ऑफ कंट्रोल पर हुए सीजफायर के समझौते के बाद से दोनों देश संबंधों में शांति कायम रखना चाहते हैं। हालांकि, भारत विरोधी मिलिटेंट्स का समर्थन करने का पाकिस्तान का पुराना इतिहास रहा है। डट मोदी की लीडरशिप में अब पाक की किसी भी भड़काऊ हरकत पर भारत भी कड़ा जवाब देगा। अमेरिका की इंटेलिजेंस रिपोर्ट में 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष को दृष्टक का सबसे खतरनाक संघर्ष बताया है। रिपोर्ट में दावा किया है कि दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति अमेरिका और उसके लोगों के लिए बड़ा खतरा है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि दोनों देशों के बीच बढ़ते विवाद में अमेरिका को दखल देना चाहिए।

## संपादकीय

## राहुल: खुदी को कर बुलंद इतना कि...

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

राहुल गांधी का भाषण पहले कैबिनेट विश्वविद्यालय में हुआ, फिर ब्रिटिश संसद में हुआ और फिर लंदन के वेथम हाउस में हुआ। इन तीनों संस्थाओं में मैं पिछले 50-55 साल से जाता रहा हूँ। मुझे आश्चर्य हुआ कि हमारे नेताओं में एक नेता इतना योग्य निकला कि इन विश्व-प्रसिद्ध संस्थाओं में भाषण देने के लिए उसे बुलाया गया। मेरा सीना गर्व से फूल गया। लेकिन सच यह है कि इन संस्थाओं के सभा-भवनों को कोई भी किराए पर बुक कर सकता है। राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और सांसद हैं, इस नाते सरकार की आलोचना करने का उन्हें पूरा अधिकार है लेकिन यह काम बड़ी सावधानी से किया जाना चाहिए। ऐसी अतिवादी बातें नहीं कही जानी चाहिए जिनसे देश की छवि बिगड़ती हो, हालाँकि भाजपा के प्रवक्ता जरूरत से ज्यादा परेशान मालूम पड़ते हैं। उन्हें क्या यह पता नहीं है कि विदेशी लोग राहुल की बातों को उतना महत्व भी नहीं देते, जितना हमारी जनता के कुछ लोग दे देते हैं। राहुल की इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है। यदि भाजपा पर मोदी के शिकंजे की तरफ वे इशारा कर रहे हैं तो वह तो ठीक है लेकिन क्या नेहरू, इंदिरा और सोनिया-काल में ऐसा ही नहीं था। और अब तो कांग्रेस बिल्कुल प्राइमेट लिमिटेड कंपनी बन गई है। देश की सभी पार्टियाँ अब कांग्रेस के ही ढर्रे पर चल पड़ी हैं। इसके बावजूद देश में लोकतंत्र जिंदा है, इस सत्य का सबूत यह तथ्य है कि हर पांच-दस साल में इधर हमारी सरकारें उलटती-पलटती रहती हैं। यदि भारत में तानाशाही होती तो राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और छोटे-मोटे नेताओं के कई अनर्गल बयानों को क्या हमारे अखबार और टीवी चैनल प्रसारित कर सकते थे? लोकतंत्र की हत्या तो इंदिराजी के आपत्काल में ही हुई थी। क्या वैसी हालत आज भारत में है? राहुल को अमेरिका और यूरोप के देशों से यह कहना कि वे भारत के लोकतंत्र को बचाएँ, अपनी हैसियत का हास्यास्पद बनाना है। पता नहीं, हर भाषण के पहले राहुल को कौन अपरिपक्व सलाहकार गुमराह कर देता है? कांग्रेस खत्म हो रही है, कुछ भाजपाइयों का यह कहना अनुचित है। कांग्रेस का मजबूत होना भारत के लोकतंत्र के लिए बहुत जरूरी है लेकिन राहुल का यह कहना कि संघ सांप्रदायिक और तानाशाही संगठन है, यह भी गलत है। संघ-प्रमुख मोहन भागवत ने इधर मुस्लिम नेताओं, बुद्धिजीवियों और मौलानाओं को मुख्याधार में लाने का जैसा प्रयत्न किया है, किसी पार्टी के नेता ने भी नहीं किया है। यह ठीक है कि संघ में आंतरिक चुनाव नहीं होते लेकिन राहुल बताएँ कि किस पार्टी-संगठन में आंतरिक चुनाव होते हैं? जिन संगठनों को आम चुनाव नहीं लड़ने हैं, उनके अंदर चुनाव अनिवार्य क्यों हैं? क्या संघ कोई राजनीतिक पार्टी है? राहुल ने कहा कि संसद में उन्हें बोलने की अनुमति नहीं मिलती। कुछ हद तक यह ठीक है लेकिन आपके बोलने में कुछ दम तो होना चाहिए। विपक्ष को जितनी अनुमति मिलती है, क्या वह उसका सदुपयोग कर पाता है? मुझे याद है कि 1965-66 में डॉ. राममनोहर लोहिया को संसद में 5 मिनट का भी मौका मिलता था, तो भी उसी में इंदिरा सरकार को वे थर्रा देते थे। इस मौके पर मुझे अल्लामा इकबाल का एक शेर याद आ रहा है-  
“खुदी को कर बुलंद इतना कि हर दबीर से पहले।  
खुदा बंदे से खुद पुछे, बता तेरी रजा क्या है।।”

# समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निभा रहा है अहम भूमिका

(लेखिका- प्रहलाद सबानी)

भारत में पिछले 97 वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के नागरिकों में देशप्रेम की भावना का संचार करने का लगातार प्रयास कर रहा है। वर्ष 1925 (27 सितम्बर) में विजयदशमी के दिन संघ के कार्य की शुरुआत ही इस कल्पना के साथ हुई थी कि देश के नागरिक स्वाभिमानी, संस्कारित, चरित्रवान, शक्तिसंपन्न, विशुद्ध देशभक्ति से ओत-प्रोत और व्यक्तिगत अहंकार से मुक्त होने चाहिए। आज संघ, एक विराट रूप धारण करते हुए, विश्व में सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बन गया है। संघ के शून्य से इस स्तर तक पहुँचने के पीछे इसके द्वारा अपनाई गई विशेषताएँ यथा परिवार परंपरा, कर्तव्यपालन, त्याग, सभी के कल्याण विकास की कामना व सामूहिक पहचान आदि विशेष रूप से जिम्मेदार हैं। संघ के स्वयंसेवकों के स्वभाव में परिवार के हित में अपने हित का सहज त्याग तथा परिवार के लिये अधिकाधिक देने का स्वभाव व परस्पर आत्मीयता और आपस में विश्वास की भावना आदि मुख्य आधार रहता है। फ्रवसुधेव कुटुंबकमफ्र की मूल भावना के साथ ही संघ के स्वयंसेवक अपने काम में आगे बढ़ते हैं। वैश्विक स्तर पर कई देशों में तो संघ की कार्य पद्धति पर कई शोध कार्य किए जा रहे हैं कि किस प्रकार यह संगठन अपने यह समाज के समस्त वर्गों को अपने साथ लेते हुए अपने कई कार्यक्रमों को लागू करने में सफलता अर्जित करता आया है। आज जब कई देशों में अलगवावाद के बीज बोकर भाई को भाई से लड़ाया जा रहा है ऐसे माहौल में संघ भारत के नागरिकों में राष्ट्रियता की भावना विकसित कर उनमें सामाजिक समरसता के भाव को जगाने में सफल रहा है। मुट्टीभर विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर कई सैकड़ों वर्षों तक राज किया क्योंकि हम सब एक नहीं थे। इसलिए संघ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ही देश के लिए समाज को एकजुट करना था, है और रहेगा, जिसे पूर्ण करने हेतु ही परम पूजनीय डॉक्टर हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी और आपने एकशाः संपत का मंत्र दिया था कि उच्च जाति के हो या निम्न जाति के, पहले अपना अहंकार छोड़कर और दूसरे अपनी लाचारी या हीनता छोड़कर तथा अमीर हो या गरीब, विद्वान हो या अज्ञानी सब एक पंक्ति में खड़े हों, यही संघ का मुख्य उद्देश्य भी है। समाज और राष्ट्र को प्रथम मानने वाले संघ में व्यक्ति गौण होता है। संघ ने कभी अपना प्रचार नहीं किया और संघ के प्रचारकों या स्वयंसेवकों ने जो दायित्व प्राप्त किए वे भी प्रचार से दूर रहे, संघ का और स्वयंसेवकों का कार्य उनकी लगन और त्याग देश के सामने है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस लम्बी यात्रा में वैश्विक स्वीकार्यता प्राप्त कर चुका है। व्यक्ति निर्माण, त्याग और राष्ट्रभक्ति से अंतःप्रोत संघकार्य आज दुनिया के सम्मुख है। आपदा में अद्वितीय सेवाकार्य और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता के संघ के गुणों को विरोधी भी स्वीकारते हैं। संघ की योजना प्रत्येक गांव में, प्रत्येक गली में अच्छे स्वयंसेवक खड़े करने

की है। अच्छे स्वयंसेवक का मतलब है जिसका अपना चरित्र विश्वासप्रद है, शुद्ध है। जो सम्पूर्ण समाज को, देश को अपना मानकर काम करता है। किसी को भेदभाव से शत्रुता के भाव से नहीं देखता और इसके कारण जिसने समाज का स्नेह और विश्वास अर्जित किया है। संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहा है। संघ की कार्यपद्धति में पंथ - उप पंथ, जातीय मतभेद आदि बातें उपस्थित हो ही नहीं सकती क्योंकि संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज में एकता लाने की दृष्टि से कार्य करता है। संघ में छुआ छूत की भावना तो कभी की समाप्त हो चुकी है क्योंकि संघ में सभी जातियों के लोग एक झंडे के नीचे काम करते हैं। हाल ही के समय में देश भर में संघ का कार्य बहुत तेजी से फैला है। दैनिक शाखाओं में 61 प्रतिशत शाखाएँ छात्रों की हैं और 39 प्रतिशत व्यवसायी शाखाएँ हैं। संघ की दृष्टि से देशभर में 6506 खंड हैं, इनमें से 84 प्रतिशत से अधिक खंडों में शाखाएँ हैं। 59,000 मंडलों में से लगभग 41 प्रतिशत से अधिक मंडलों में संघ का प्रत्यक्ष शाखा के रूप में कार्य है। 2303 नगरीय क्षेत्रों में से 94 प्रतिशत नगरों में शाखा का कार्य चल रहा है एवं आने वाले दो वर्षों में सभी मंडलों में संघ की शाखा हो, ऐसा प्रयास किया जा रहा है। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ कार्य एक लाख स्थानों तक ले जाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। 2017 से 2022 तक संघ की वेबसाइट में 'जोइन आरएसएस' के माध्यम से 20 से 35 आयु वर्ग के लगभग 1 लाख से 1.25 लाख युवाओं ने प्रतिवर्ष संघ से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की है। कोरोना महामारी के दौरान संघ के स्वयंसेवकों ने समाज के साथ मिलकर सक्रियता के साथ सेवा कार्य किया था। लगभग 5.50 लाख स्वयंसेवकों ने महामारी के पहले दिन से ही सेवा कार्य प्रारम्भ कर दिया था तथा पूरे समय समाज के साथ सक्रिय सहयोग किया। विश्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहाँ बहुत बड़ी संख्या में मठ, मंदिर, गुरुद्वारों से बहुत बड़ा वर्ग सेवा कार्य के लिए निकला। यह एक जागरूक राष्ट्र के लक्षण हैं। साथ ही संघ द्वारा धर्म जागरण, कृषि विकास, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, गौसर्वादन एवं ग्रामीण विकास का कार्य बहुत अच्छी मात्रा में एवं अच्छी गति के साथ चलाया जा रहा है। संघ द्वारा हाल ही के समय में सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर देश के हित में कुछ नवोन्मेष कार्य करने का प्रयास भी किया गया है। देश में बेरोजगारी कम करने एवं देश के नागरिकों को स्वावलंबी बनाए जाने के पवित्र उद्देश्य से स्वावलम्बन कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बेरोजगार युवाओं को अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए प्रेरणा प्रदान करने के साथ ही इस सम्बंध में आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है। कुछ राज्यों के स्थानीय इलाकों में तो एक वृहद स्वी के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास भी किया गया कि इन स्थानीय इलाकों में किस प्रकार के रोजगार की आवश्यकता है एवं किस प्रकार के कुटीर एवं लघु उद्योग इन इलाकों में प्रारम्भ किये जा सकते हैं ताकि इन इलाकों में इन बेरोजगार युवाओं द्वारा इन उद्योगों को प्रारम्भ

कर अन्य युवाओं के लिए भी रोजगार के नए अवसर निर्मित किए जा सकें। साथ ही, स्थानीय उद्योगों से भी अवसर किया गया कि वे स्थानीय लोगों को ही रोजगार प्रदान करने के प्रयास करें ताकि इन इलाकों से युवाओं के पलायन को रोका जा सके। स्वावलम्बन योजना के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर ही युवाओं में कौशल विकसित करने हेतु भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी प्रकार ग्राम विकास और कृषि क्षेत्र में विशेष दृष्टि रखते हुए संघ ने भूमि सुपोषण अभियान की शुरुआत भी की है। इस अभियान के अंतर्गत कृषि योग्य भूमि की उर्वरा शक्ति में आई कमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालाँकि संघ ने इस अभियान को आगे बढ़ाने हेतु, इस क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठनों एवं संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करने का निर्णय लिया है। परंतु देश में फैले संघ के स्वयंसेवकों के नेटवर्क का संगठित उपयोग कर इस अभियान को बहुत सफल बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान को एक सामाजिक अभियान के रूप में भारत के सभी ग्रामों में चलाया जा रहा है। साथ ही, भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से संघ ने बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को भी प्रारम्भ कर दिया है, जिसके अंतर्गत देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। संघ पूर्व में भी लगातार यह प्रयास करता रहा है कि देश को विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतु देश में ही निर्मित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा मिले एवं स्वदेशी को प्रोत्साहन मिले। साथ ही, देश में आर्थिक विकेंद्रीकरण होना चाहिए ताकि ग्रामीण स्तर पर कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना को बल मिले एवं स्थानीय स्तर पर उत्पादों का न केवल निर्माण हो बल्कि इन उत्पादों की खपत भी स्थानीय स्तर पर होती रहे। उद्यमिता को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भी प्रयास किए जा रहे हैं ताकि देश का युवा नौकरी करने वाला नहीं बल्कि रोजगार उत्पन्न करने वाला बने। यूँ तो संघ में अलग अलग प्रकार की कई बैठकें होती हैं परंतु इनमें सबसे बड़ी एवं निर्णायक की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण बैठक प्रतिनिधि सभा के रूप में होती है। इस वर्ष यह बैठक 12 मार्च से 14 मार्च 2023 के बीच हरियाणा के समालखा (जिला पानीपत) में होने जा रही है। इस बैठक में संघ कार्य की समीक्षा एवं आगामी वर्ष 2023-24 के लिए संघ की कार्य योजना पर चर्चा होगी। इसके साथ ही कार्यकर्ता निर्माण व प्रशिक्षण, संघ शिक्षा वर्गों की योजना, शताब्दी विस्तार योजना एवं कार्य के दृढीकरण और देश की वर्तमान स्थिति पर विचार एवं महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव भी पारित होंगे। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक में परम पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, माननीय सरकार्यावध श्रि दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यावध, अखिल भारतीय कार्यकारिणी, क्षेत्र व पंथ कार्यकारिणी, संघ के निर्वाचित अखिल भारतीय प्रतिनिधि, सभी विभाग प्रचारक तथा विविध संगठनों के निमंत्रित कार्यकर्ता भाग लेंगे। देश भर से लगभग 1400 कार्यकर्ता इस बैठक में भाग लेने के लिए अपेक्षित हैं।

## लोकतंत्र के मंदिर की गरिमा को ठेस पहुंचाया जाना बंद हो

(लेखक-डॉ. राघवेंद्र शर्मा)

विधानसभा से लेकर लोकसभा तक और इनके अलावा ऊपरी सदन राज्यसभा में भी, ऐसे नेताओं को देखने और सुनने का अवसर मिला जो एक प्रकार से मां सरस्वती के मानस पुत्र हुआ करते थे। इन सदनों को ऐसे ऐसे नेताओं ने संबोधित किया जिन्हें सुनने के लिए विरोधी दल के नेता भी लालायित रहते थे। यह उनकी वाकपटुता ही थी कि जब वे लोग बोलते थे तो सदन में एक प्रकार से पिन ड्रॉप साइलेंट की स्थिति बन जाती थी। सीधी सी बात है। ऐसे लोग जो अब राजनैतिक क्षेत्र में तेजी से कम होते जा रहे हैं, बोलने से पहले संबधित विषय का बारीकी से अध्ययन करते रहे हैं। अध्ययन में कमी रह जाने पर और आवश्यकता पड़ने पर इनके द्वारा उपरोक्त विषय वस्तु के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लिया जाता रहा है। यही वह है कि ऐसे ज्ञानवान नेता जब जब बोलें, गले ही विषय में बोलें, उन्हें विरोधियों की ओर से भी सम्मान प्राप्त होता रहता है। सवाल उठता है कि आज जब सत्ता पथ अथवा विपक्ष का कोई भी नेता किसी भी सदन में बोलने की चेष्टा करता है तो राजनैतिक प्रतिद्वंद्वी अधिकांश को सुनना ही नहीं चाहते। बोलने से पहले ही टोका टाकी शुरू हो जाती है। सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाते हुए ऐसी ऐसी हस्तकंठी की जाती है, जिन्हें देखकर आम आदमी शर्मिंदा होता है और यह सोचने के लिए विषय हो जाता है कि इन्हें चुनकर नौने यह क्या पाप कर डाला? राजनेताओं और जनप्रतिनिधियों का यह आगमंडल इतनी तेजी से स्वयं की गरिमा को भी खो रहा है, जिसका आकलन यह वह स्तर पर लगाने को तैयार नहीं है, बस हर कोई येन केन

प्रकारेण चर्चाओं में बन रहना चाहता है। क्योंकि लगातार विदूष हो रही राजनीति में अनेक नेता यह मान बैठे हैं कि बड़ा बनने के लिए सदैव ही कुछ ना कुछ बोलते रहना आवश्यक है। उदाहरण के लिए हम ऐसे अनेक नेताओं के बयान याद कर सकते हैं, जिन्होंने अपने विरोधियों अथवा विरोधी दलों के खिलाफ ऐसी ऐसी आधारहीन बातें कहीं जिनका उनकी स्वयं की पार्टियों ने भी समर्थन नहीं किया। यह उनका व्यक्तिगत विचार होगा, यह कहकर संबधित राजनैतिक दलों द्वारा अपने ही नेता से किनासा कर लिया गया। फिर भी इन बड़बोले नेताओं पर जैसे कोई प्रभाव ही नहीं पड़ता। यह मोटी चमड़ी के गैर स्पेदनशील लोग लगातार विवादित बयान देते चले जा रहे हैं। क्योंकि इनके खिलाफ दलीय स्तर पर भी निर्णायक कार्यकारिणी का अभाव रहा है। जिसके चलते गैर जिम्मेदार नेताओं अथवा जनप्रतिनिधियों की यह धारणा मजबूत हुई है कि वह जो कुछ भी कर रहे हैं वह सही है। शायद यही वजह रही कि अब कुछ निरंकुश, वाचाल प्रवृत्ति के नेताओं ने जनसभाओं और विधानसभाओं में भेद करना भी बंद कर दिया है। जिस प्रकार जनसभा में एक अवसरवादी नेता द्वारा अपने विरोधियों के खिलाफ कुछ भी कह दिया जाता है। गंभीरतम आरोप दिए जाते हैं और फिर उनके खिलाफ कोई



कड़ी कार्रवाई नहीं होती, तो फिर ऐसे लोगों की हिम्मत बढ़ती है। फलस्वरूप वे यही आचरण लोकतंत्र के मंदिरों में अपना लेते हैं। बीते रोज मध्यप्रदेश की विधानसभा में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। वहा विधानसभा के एक माननीय सदस्य ने निहायती गैर जिम्मेदाराना व्यवहार करते हुए सत्ता पथ पर कुछ ऐसे आरोप लगा दिए, जिनका ना कोई सिर था और ना पांव। सदन तो तब हो गई जब ससदीय कार्य मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिखित आरोप मांगे जाने पर उक्त नेता कुछ ऐसे तथ्य प्रस्तुत कर बैठे जो उन्हीं की बात को स्रूज साबित कर गए। इसी सत्तापथा का बड़पान ही कहा जाएगा कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उपरोक्त विधानसभा सदस्य को माफी मांग कर बात खत्म करने का विकल्प दिया गया। झूठ पर हटपूक अड़े हुए माननीय ने माफी मांगने की बजाय स्वयं के निलंबन का रास्ता चुना। संभवत उन्हे ऐसा

लगाता होगा कि उनके निलंबन हो जाने से अखबार की सुर्धियों में उन्हें स्थान मिल जाएगा और भी बदनान ही सही, नानवर होकर बड़े नेता के रूप में स्थापित हो पाएंगे। नतीजा यह है कि उन्हें निलंबित किया जा चुका है और चारों को प्रबुद्ध वर्ग द्वारा उनके इस कृत्य की तीखी आलोचना हो रही है। लिखने का आशय यह है कि विधानसभा हो या लोकसभा अथवा राज्यसभा, यहाँ जनप्रतिनिधियों को बोलने के लिए ही चुनकर भेजा जाता है। लेकिन यह बात भी अपनी जगह सत्य है कि बोलने के लिए पठन-पठन और अध्ययन की अति आवश्यकता होती है। यदि सदन में माननीय गण बोलने से पहले संबधित विषय वस्तु का अध्ययन कर लिया करे तो उनका अपना सम्मान तो बचेगा ही सदन की गरिमा भी अक्षुण्ण रह पाएगी।

(लेखक- डॉ. राघवेंद्र शर्मा वरिष्ठ प्रचारक है।)

## आज का राशीफल

<b>मेघ</b>	आर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
<b>वृश्च</b>	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
<b>मिथुन</b>	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपने को से तनाव मिलेगा।
<b>कर्क</b>	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
<b>सिंह</b>	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
<b>कन्या</b>	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।
<b>तुला</b>	व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
<b>वृश्चिक</b>	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
<b>धनु</b>	व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएँ सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।
<b>मकर</b>	पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। उदर विचार या लब्धा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।
<b>कुम्भ</b>	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।
<b>मीन</b>	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

## विवार मंथन

(लेखक - सनत जैन)

तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों के पलायन, दो मजदूरों की तमिलनाडु में हत्या, विधानसभा में बिहारी मजदूरों की हत्या और हमले को लेकर विपक्ष का वाकआउट करना, बिहार और तमिलनाडु सरकार के बीच में विवाद पैदा करने की कोशिश, इसके साथ ही फेक न्यूज के माध्यम से हजारों लाखों लोगों को उर्देलित कर कानून व्यवस्था की स्थिति को खराब करने का जो मामला सामने आया है, उसके बाद केंद्र एवं राज्य सरकारों को इस तरह की फेक न्यूज को रोकने के लिए तुरंत कड़े कानून बनाए जाने की जरूरत है। सोशल मीडिया में जब इस तरह से फेक न्यूज को

फैलाई जाती है, उससे दंगे भड़कते हैं। सैकड़ों हजारों लाखों लोग इससे प्रभावित होते हैं। इसके बाद भी सरकारों द्वारा इस संबंध में कोई कड़ाई नहीं किए जाने से यह घटनाएँ बार-बार हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट भी इस संबंध में कई बार अपनी चिंता जता चुका है। ले किन अभी तक केन्द्र सरकार ने कोई कानून तैयार नहीं किया। फेक न्यूज से निपटने के लिये केन्द्र सरकार ने जो प्रस्ताव तैयार किया है, उसमें सूचना प्रसारण जैसी संस्था को फेक न्यूज की जिम्मेदारी एजेन्सी बनाने का प्रस्ताव सरकार के इरादों को उजागर करता है। फेक न्यूज को सोशल मीडिया में काट-छांटकर जो तथ्य प्रसा रित किये जात हैं, उसके लिये राष्ट्रीय सुरक्षा

कानून जैसे कड़े प्रावधान लागू करने की आवश्यकता है अन्धथा इस पर रोक लगा पाना संभव नहीं होगा। तमिलनाडु में जिन बिहारी मजदूरों की हत्या की बात को लेकर बिहारी मजदूरों के पलायन की बात कही गई थी। उसका सच सामने आया तो हर कोई हैरत में पड़ गया। तिरुपुर की एक कॉलोनी तिरुमलाई में एक 10 कमरों की चाल बनी हुई थी। इसी चाल के एक कमरे में रामानी इंपैक्स में टैटर का काम करने वाला पवन अपने छोटे भाई नीरज के साथ रहता था। उसके बगल वाले कमरे में झारखंड का रहने वाला उपेंद्र धारी रहता था। जो झूठव का काम करता था। पड़ोसी और चरमदीद गवाहों के बयान के आधार पर तमिलनाडु पुलिस में

जो मामला दर्ज है, उसमें पवन की हत्या उसके पड़ोसी उपेंद्र धारी ने आपसी विवाद में की थी। हत्या करने के बाद वह ट्रेन से झारखंड के लिए पग रहा था। तमिलनाडु पुलिस ने संज्ञान लिया, मोबाइल से उसकी लोकेशन चेन्नई में मिली चेन्नई से धनबाद और जा रहा था पुलिस ने जीआरपी धनबाद से संपर्क कर उपेंद्र के मोबाइल नंबर और फोटो भेजे। ट्रेन के जनरल डब्बे में उपेंद्र मिला, जहां उसे गिरफ्तार किया गया। ऐसा ही दूसरा मामला फांसी पर लटके पाए गए सिकंदर बाजार के मोनु यादव का था। उसके भाई तुलसी कुमार को स्थानीय लोगों ने बताया था कि दरवाजा अंदर से बंद था, उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। उसका भाई तुलसी विहार

से पहुंचा था। उसने इस मामले में गलत जानकारी देकर भाई की हत्या और बिहारियों के पलायन करने से जोड़ दिया। उसके बाद इसका राजनीतिक फायदे के लिए एक पुराने वीडियो को जोड़कर झूठी खबर को सोशल मीडिया के जरिए बड़ी तेजी के साथ फैलाया गया। इसको लेकर पटना और तमिलनाडु दोनों ही जगह पर कानून व्यवस्था की बिगाड़ने का प्रयास किया गया। सारे देश में बिहा रियों के उतपीड़न को लेकर नई तरीके का नैरेटिव बनाने की कोशिश की गई। सही मायने में सोशल मीडिया पर फेक न्यूज के माध्यम से सनसनी फैलाकर दंगा और कानून-व्यवस्था की स्थिति संघीय ढांचे को नष्ट करने जैसे हालात पैदा करना घोर अपराध

माना जाना चाहिए। इस अपराध के लिए तुरंत कठोर कार्रवाई करना चाहिए। जो लोग इस तरह से फेक न्यूज चलाते हैं, उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा मान कर उनको कड़े से कड़े ढंड दिए जाने की आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों से सोशल मीडिया में जिस तरीके की फेक न्यूज चलाई जा रही है, उसका इस्तेमाल राजनीतिक और व्यापारिक हितों के लिए हो रहा है। ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है। फेक न्यूज फैलाने वालों के लिए कड़े कानून बनाने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो यह लोग शांति व्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा बन जाएंगे। बिना किसी भेदभाव के कड़ी कार्यवाही होने से इन घटनाओं से बचा जा सकता है।



### सोने, चांदी में गिरावट

**नई दिल्ली।** घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। दस ग्राम सोना नीचे आकर 55,025 रुपये का हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत भी घट गयी है। अब ये 61,955 रुपये में बिक रही है। दिल्ली सारंग बाजार में गुरुवार को सोना 80 रुपये टूटकर 55,025 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 55,105 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी भी 390 रुपये की गिरावट के साथ ही 61,955 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई। दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 80 रुपये की कमी के साथ ही 55,025 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है। वहीं विदेशी बाजारों में सोना 1,815 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ था जबकि चांदी गिरावट के साथ ही 20.02 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई थी।

### रेलियेयर फिनवेस्ट का कारोबार फिर से शुरू करने का रास्ता साफ

**मुंबई।** रेलियेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुभूमी रेलियेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) ने 400 करोड़ रुपए का पूरा एवं ऑटमिग मुगुतान करके 16 ऋणदाताओं के साथ एकमुश्त निपटान (ओटीएस) की प्रक्रिया पूरी कर ली है। ऋणदाताओं के साथ 30 दिसंबर 2022 को हुए समझौते में जो समयसीमा तय की गई थी, 2,178 करोड़ रुपए यह ओटीएस उससे करीब एक महीने पहले, आठ मार्च को पूरा हो गया। रेलियेयर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस निपटान के साथ ही पूर्ववर्ती प्रवर्तकों के कदाचार से उत्पन्न मुद्दों का समापन हो जाएगा। उन्होंने बताया कि जनवरी 2018 में कंपनी की कमान नए प्रबंधन ने संभाली थी तब से आरएफएल ने ऋणदाताओं की 9,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि चुका दी है। इस निपटान से आरएफएल का कारोबार फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि आरएफएल का बहीखाता मजबूत होगा जिससे अगली कुछ तिमाहियों में कारोबार की वृद्धि कायम रह सकेगी। अे धिकारी ने कहा कि आगे जाकर भी आरएफएल सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को कर्ज देने पर ध्यान देना जारी रखेगा। ओटीएस की प्रक्रिया पूरी होने के साथ आरएफएल सुधारात्मक कार्यवाई योजना (सीएपी) से बाहर आ जाएगा।

### इंस्टाग्राम टप होने से हजारों यूजर्स हुए परेशान

**मुंबई।** दुनिया भर में गुरुवार को सुबह के समय इंस्टाग्राम टप हो गया था। आउटेज ट्रेकिंग वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार सुबह हजारों यूजर्स के लिए इंस्टाग्राम सेवाएं डाउन थीं। डाउनडिटेक्टर के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर समस्याओं की रिपोर्ट करने वाले लोगों की संख्या 27,000 से अधिक थी। बता दें कि वेबसाइट ने अपने प्लेटफॉर्म पर यूजर द्वारा सबमिट की गई त्रुटियों सहित कई स्रोतों से स्टेटस रिपोर्ट को जोड़कर आउटेज को ट्रैक करता है। डाउन डिटेक्टर पर आउटेज ग्राफ में सुबह 7 बजे के आसपास बड़ोतरी दिखी, जो बड़ते रिपोर्ट की संख्या को दिखाती है। जबकि रिपोर्ट किए गए आउटेज की 52 फीसदी से अधिक समस्या सर्वर कनेक्शन के संबंधित थी। वहीं 30 फीसदी लोगों को ऐप को चलाने में समस्या हो रही थी, जबकि 18 फीसदी इलांगिन समस्या के बारे में थे। पहले भी ऐप में इस तरह की तकनीकी गड़बड़ी आई थी, उस वक कई यूजर्स इंस्टाग्राम पर मैसेज नहीं कर पा रहे थे। हालांकि कुछ वक के बाद कंपनी ने इस दिक्कत को ठीक कर लिया था।



### गौतम अडानी समूह अभी भी ऑस्ट्रेलिया में एक महत्वपूर्ण निवेशक

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओफरेल ने कहा कि गौतम अडानी समूह अभी भी ऑस्ट्रेलिया में एक महत्वपूर्ण निवेशक है। ओफरेल ने कहा, अडानी का निवेश ऑस्ट्रेलिया में पूरी तरह से काम कर रहा है। मुझे ऑस्ट्रेलिया से कारोबार पर कोई असर होने की कोई रिपोर्ट नहीं दिख रही है, वह अभी भी एक महत्वपूर्ण निवेशक है। अडानी समूह गौतम अडानी द्वारा स्थापित एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह है। इसका मुख्यालय अहमदाबाद में है।

ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने कहा कि होली की शाम को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीज अहमदाबाद पहुंचने वाले हैं। मुझे उम्मीद है कि वह उन समारोहों में भाग लेने वाले हैं। ओफरेल ने कहा कि बहुत जल्द, भारत में ऑस्ट्रेलियाई परिसर हों। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि ऑस्ट्रेलियाई

विश्वविद्यालय- कोल्लोंगों और डीकिन जल्द ही गुजरात में कैम्प स्थापित करने वाले हैं। प्रधान ने कहा, शिक्षा सभी परिवर्तन की कुंजी है। इसलिए, शिक्षा सभी परिवर्तन और साझेदारी के लिए प्राकृतिक मां है। भारत और ऑस्ट्रेलिया 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए दोतरफा गतिशीलता के माध्यम से संबंधों को गहरा कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री जेवन क्लेयर के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की और बुधवार को नई दिल्ली में छत्र सहभागिता कार्यक्रमों में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि शैक्षिक संबंधों को मजबूत करने से दोनों देशों के छात्रों को विविध सांस्कृतिक सेटिंग्स में सीखने और नए अनुभव प्राप्त करने के मौके मिलने वाले हैं, जिससे वसुधैव कुटुम्बकम या

एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के मूल्यों को सही मायने में बनाए रखा जा सकेगा। भारत के जी 20 प्रेसीडेंसी की थीम भी। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने स्कूल, उच्च और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा क्षेत्र में अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए विचार-विमर्श किया। उन्होंने दोनों देशों में युवाओं को सशक्त बनाने और शिक्षा और कौशल क्षेत्र को और अधिक जीवंत बनाने के लिए जुड़ाव को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने उच्च शिक्षा, कौशल में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के वितरण की खोज करके संस्थागत सहयोग और दो-तरफा गतिशीलता बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने भी इस बात पर जोर दिया कि क्राइडो-पैसिफिक नाटो में नहीं बदल रहा है।

### सुरक्षा समूह करेगा जेपी इन्फोटेक का अधिग्रहण

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज के बोझ से दबी जेपी इन्फोटेक के अधिग्रहण के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया के जरिए लगाई गई सुरक्षा समूह की बोली को मंजूरी दे दी। इसके तहत सुरक्षा समूह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न अटक परियोजनाओं में 20,000 फ्लैट का निर्माण करेगा। एनसीएलटी के अध्यक्ष रामलिंगम सुधाकर की अगुवाई वाली दो सदस्यीय प्रधान पीठ ने सुरक्षा समूह की तरफ से पेश समाधान योजना को मंजूरी दे दी। न्यायाधिकरण ने पिछले साल 22 नवंबर को जेपी इन्फोटेक के समाधान पेशेवर की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इस याचिका में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में विभिन्न लंबित परियोजनाओं के 20,000 फ्लैट के निर्माण की सुरक्षा समूह को अनुमति देने की अपील की गई थी। जून, 2021 में सुरक्षा समूह को ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) से जेपी इन्फोटेक के अधिग्रहण की अनुमति मिली थी। सीओसी में बैंकों के अलावा घर खरीदार भी शामिल हैं। इस फैसले से 20,000 घर खरीदारों को जेपी इन्फोटेक की अटक की परियोजनाओं में अपने फ्लैट का कब्जा मिलने की उम्मीद बंधी है। जेपी इन्फोटेक के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया अगस्त, 2017 में शुरू हुई थी।



### अडानी ग्रुप की कंपनी के शेयरों में 6 दिनों से आ रही तेजी थमी

- एनडीटीवी का शेयर 2.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 247.40 रुपए पर बंद हुआ

**नई दिल्ली।** अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों में पिछले 6 दिन से आ रही तेजी आज थम गई। इसकी वजह यह है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अडानी एंटरप्राइजेज समेत ग्रुप के तीन शेयरों को शॉर्ट टर्म सर्विलांस फेमवर्क में डाल दिया है। इनमें अडानी एंटरप्राइजेज के अलावा अडानी पावर और अडानी विल्यमर शामिल हैं। इन शेयरों में हाल में काफ़ी तेजी आई है। अडानी एंटरप्राइजेज को पहले गिरावट के कारण इस फेमवर्क में डाला गया था और एक दिन पहले ही उसे इससे मुक्ति मिली थी, लेकिन अब तेजी के कारण उसे इसमें डाला गया है। साथ ही केयर रेटिंग ने भी अडानी एंटरप्राइजेज के आउटलुक को स्टैबल से निगेटिव कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि कंपनी के खिलाफ रेगुलेटरी और लीगल स्कूटिनी के

चलते उसने ऐसा किया है। इससे आज यानी गुरुवार को इसके शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। बीएसई पर दोपहर बाद 1.50 बजे यह 5.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1933.80 रुपये पर ट्रेड कर रहा था, इसमें बुधवार को करीब तीन फीसदी तेजी आई थी। इसका 52 हफ्ते का टॉप लेवल 4 हजार 189.55 रुपये है जो इसने पिछले साल 21 दिसंबर को छुआ था। इसका न्यूनतम स्तर 1 हजार 17.10 रुपये है। यह तीन फरवरी को इस स्तर पर पहुंचा था। अडानी ग्रुप के बारे में हिंडेनबर्ग रिसर्च की निगेटिव रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। एनएसई ने तीन फरवरी को ग्रुप के तीन शेयरों अडानी एंटरप्राइजेज, अंबूजा सीमेंट्स और अडानी पोर्ट्स को सर्विलांस फेमवर्क में डाल दिया था। अंबूजा सीमेंट्स और अडानी पोर्ट्स

को पिछले महीने ही इस फेमवर्क से हटा दिया गया था, जबकि अडानी एंटरप्राइजेज को हाल में इससे बाहर किया गया। हालांकि, तेजी के कारण फेमवर्क में डाले गए दो अन्य शेयरों अडानी पावर और अडानी विल्यमर को अदर सर्किट छोड़ा। इनके अलावा अडानी ट्रांसमिशन, अडानी टोटल गैस और अडानी ग्रीन एनर्जी ने भी पांच फीसदी का अदर सर्किट छुआ। एनडीटीवी का शेयर 2.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 247.40 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। अंबूजा सीमेंट्स 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 386.05 रुपये और एसीसी (एसीसी) 1.55 फीसदी की गिरावट के साथ 1858.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इन्फर्नमिक जोन का शेयर 2.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ 692.30 रुपये पर था।

### अडानी को फिर से अपनी दो कंपनियों के शेयर गिरवी रखने पड़े

**नई दिल्ली।** एनएसई के लिए अडानी ने हिंडेनबर्ग रिसर्च की निगेटिव रिपोर्ट के बाद अपना ट्रैक बदल दिया है। उनका रूप पहले तेजी से विभिन्न क्षेत्रों में अपना विस्तार कर रहा था लेकिन अब उसका जोर अर्ज क्म करने पर है। इस बीच अडानी फिर से अपनी दो कंपनियों के शेयर गिरवी रखने पड़े हैं। रूप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के लोन को सपोर्ट करने के लिए उन्हें ऐसा करना पड़ा है। रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक अडानी ने अडानी ट्रांसमिशन के 0.99 फीसदी और अडानी ग्रीन एनर्जी के 0.76 फीसदी शेयर एनबीआईकेप ट्रस्टी के पास गिरवी रखे हैं। मौजूदा कीमत के हिसाब से इन शेयरों की कीमत 1,670 करोड़ रुपए बैठती है। इससे एक दिन पहले ही अडानी ग्रुप ने अपनी चार कंपनियों के शेयर छुड़ाए थे। एनबीआईकेप ट्रस्टी देश से सबसे बड़े बैंक एसबीआई की एक यूनिट है। उसका कहना है कि अडानी एंटरप्राइजेज के लेंडर्स को बेनिफिट देने के लिए इन शेयरों को गिरवी रखा गया है। इसके साथ ही अडानी ट्रांसमिशन में अडानी की गिरवी शेयरों की संख्या 1.32 फीसदी और अडानी ट्रांसमिशन में दो फीसदी पहुंच गई है। हालांकि

### रुपया गिरावट के साथ बंद

**मुंबई।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.97 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे बढ़कर 81.82 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.93 पर खुला और पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त दर्ज करते हुए 81.82 के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.95 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी गिरकर 105.63 पर पहुंच गया।



### शेयर बाजार गिरावट पर बंद

निवेशकों को 2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

**मुंबई।** भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आया है। कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 542 अंक 541.81 अंक करीब 0.90 फीसदी टूटकर 59,806.28 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,467.09 के उच्च स्तर तक पहुंचा और उसके बाद 59,750.53 के निचले स्तर पर आया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निपटरी 164.80 अंक तक करीब 0.93 फीसदी नीचे आकर 17,589.60 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निपटरी 17,772.35 के उच्च स्तर और 17,573.60 के निचले स्तर तक आया। वहीं बीएसई का मिडकैप सूचकांक 0.55 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक 0.2 फीसदी फिसला है। कारोबार के दौरान उपभोक्ता क्षेत्र (एफएमसीजी), रियल्टी, ऑटो और आईटी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में 7 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टाटा स्टील,



लासन एंड टूबो, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और एनटीपीसी के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस, बजाज फि न स व, आईसीआईसीआई, मारुति के शेयर सबसे ज्यादा नीचे आये हैं। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 1.97 लाख करोड़ रुपये में आया है। गत कारोबारी दिन 266.24 लाख करोड़ रुपये था जबकि आज बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 264.27 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार को शुरुआत बढ़त के साथ हुआ पर जल्द ही निवेशकों पर बिकवाली हावी हो गई और गिरावट दिखने लगी। घरेलू निवेशकों पर वैश्विक बाजार में आई गिरावट का दबाव भी दिख रहा है। इससे पिछले सत्र में बाजार

### एपल इंक ने मैनेजमेंट में कुछ फेरबदल किए

**नई दिल्ली।** भारत में कारोबार बढ़ाने के लिहाज से ऐपल इंक ने अपने वैश्विक कारोबार को संभालने वाले मैनेजमेंट में कुछ फेरबदल किए हैं। हाल ही में देश में बढ़ती ऐपल प्रोडक्ट्स की डिमांड के चलते भारत ऐपल कंपनी के लिए एक अलग सेल रीजन बन गया है। ब्लूमबर्ग की खबर के अनुसार इसके चलते भारत का एशिया के देशों के बीच के क्षेत्र में अलग पहचान बनेगी। हालांकि इस बारे में कंपनी के प्रवक्ता ने कोई भी टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। ऐपल ने क्षेत्र की सेवा के लिए एक ऑनलाइन स्टोर बनाया है और इस साल के अंत में देश में अपना पहला रिटेल आउटलेट खोलने की योजना बना रहा है। ऐपल के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी बाजार पर बहुत अधिक जोर दे रही है और भारत में अपने काम की वर्तमान स्थिति की तुलना चीन में अपने शुरुआती वर्षों से की। उन्होंने कहा कि संक्षेप में हमने चीन में वर्षों पहले जो कुछ सीखा था, उसी को ध्यान में रख रहे हैं। चीन वर्तमान में ऐपल के लिए लाम्बाम 75 बिलियन प्रति वर्ष प्रोडक्शन करता है, जिससे यह अमेरिका और यूरोप के बाद कंपनी का सबसे बड़ा बिक्री क्षेत्र बन गया है।

### क्रिप्टो पर कसा शिकंजा! बिना केवाईसी ट्रेडिंग तो दर्ज होगा मनी लॉन्ड्रिंग का केस

- भारत के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कानून अब क्रिप्टोकॉरेसी में व्यापार करने पर भी लागू होंगे

**नई दिल्ली।** (एफआईयू भारत) को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देनी होगी। क्रिप्टोकॉरेसी पर मनी लॉन्ड्रिंग नियम लागू हो जाने के बाद से प्रशासन को देश की सीमाओं के बाहर इन एसेट्स को ट्रांसफर की निगरानी करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा वर्चुअल डिजिटल एसेट्स से निपटने वाले क्रिप्टो एक्सचेंज और बिचौलियों को अब अपने ग्राहकों और प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं के केवाईसी करने की आवश्यकता होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि वीडोए में काम करने वाली संस्थाओं को पीएमएएल के तहत माना जाएगा। बैंक, वित्तीय संस्थान, रियल एस्टेट, ज्वेलरी सेक्टर में लगी संस्थाएं और साथ ही कैसीनो अब रिपोर्टिंग संस्थाएं हैं। इस कानून के तहत, प्रत्येक रिपोर्टिंग इकाई को सभी लेन देन का रिकॉर्ड बनाए रखना आवश्यक है। क्रिप्टो पूरी तरह से निजी कॉरेसी है। यह लीगर टेंडर (वैध मुद्रा) नहीं है और इसे कोई सरकार मान्य नहीं करती। न ही किसी सरकार या सेंट्रल बैंक का इस पर कोई कंट्रोल होता है।



बर्लिन में ट्रेल ट्रेड शो के में भाग लेते हुए लोग।

### नीता अंबानी ने लॉन्च किया 'द हर सर्किल, एवरीबॉडी प्रोजेक्ट'

**मुंबई।** रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर-चेयरपर्सन नीता अंबानी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'द हर सर्किल, एवरीबॉडी प्रोजेक्ट' लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य य सभी तरह के शारीरिक भेदभावों को भुलाकर सकारात्मकता का संचार करना है। शारीरिक भेदभावों से अभिप्राय साइज़, उम्र, रंग, धर्म, न्यूरो-डायवर्सिटी और फिजिकलिटी से है। इन तमाम भेदभावों को दरकिनार करते हुए सबको एक-समान रूप से अपनाने के लिए प्रेरणा देना इस प्रोजेक्ट का प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही यह भी कि समाज में सबकी स्वीकृति दयालुता और बिना किसी जजमेंट के आधार पर ही। बता दें

कि महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, समावेशी, कवर पर भी हैं। हर सर्किल के यूजर्स को बधाई बिकासोन्मुखी डिजिटल वातावरण बनाने के देते हुए अपने विशेष संदेश में उन्होंने कहा कि 2021 में 'हर सर्किल' लॉन्च किया था। प्लेटफॉर्म की दूसरी सालगिरह पर हर सर्किल भारत का महिलाओं के लिए सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है, जिसकी पहुंच फिलहाल 31 करोड़ लोगों तक है। हर सर्किल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर नीता अंबानी ने न केवल हर सर्किल एवरीबॉडी प्रोजेक्ट लॉन्च किया, बल्कि उन्होंने हर सर्किल को एक साक्षात्कार भी दो वर्षों में हमने लंबा रास्ता तय किया है। लेकिन, यह केवल शुरुआत है!



नीता अंबानी ने 'द हर सर्किल, एवरीबॉडी प्रोजेक्ट' लॉन्च किया।



# इंडोनेशिया को रौंदकर भारत ने एशियाई कप की ओर बढ़ाया कदम

## वियत ट्राई सिटी

भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर में गुरुवार को इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर प्रतियोगिता में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वियत ट्राई स्टेडियम पर खेले गये एकरतफा ग्रुप-एफ मुकाबले में मेमोल रॉकी की टीम ने दोनों अर्द्धों में तीन-तीन गोल करके अपने वचस्व का बराबर विभाजन किया। नेहा (चौथा, 21वां मिनट) और सुमति कुमारी (74वां, 90+1वां मिनट)

ने भारत के लिये दो-दो गोल किये, जबकि काजोल डिस्जूजा (45वां मिनट) और अपूर्णा नरजरी (56वां मिनट) ने एक-एक गोल जमाया। पिछले मैच में सिंगापुर को 7-0 से रौंदने वाली भारतीय टीम छह अंकों के साथ ग्रुप तालिका में पहले स्थान पर है। भारत का अगला मुकाबला शनिवार को मेज़बान वियतनाम से होगा। ग्रुप स्टेज के अंत में तालिका के शीर्ष पर रहने वाली टीम क्वालीफायर के दूसरे चरण के लिये क्वालीफाई करेगी, जिसका आयोजन जून 2023 में होगा।

## भारत अंडर-20 महिला एकादशः

अंशिका, पूर्णिमा कुमारी, हेमम शिल्की देवी (साहिना प्रतिस्थापन 90वां मिनट), अष्टम उरांव, लिशम बबीना देवी (तानिया क्रांति प्रतिस्थापन 78वां मिनट), काजोल डिस्जूजा, अनीता कुमारी (मौसमी सुर्मा प्रतिस्थापन 64वां मिनट), सुमति कुमारी (सुमति शुभांगी सिंह, नीतू लिंडा (शैलजा नाजरी।



कुमारी प्रतिस्थापन 90वां मिनट), सुमति शुभांगी सिंह, नीतू लिंडा (शैलजा नाजरी।

# पहले एकदिवसीय में पंड्या करेंगे कप्तानी, रोहित को मिला आराम

## मुंबई ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 17 मार्च को मुंबई में होने वाले पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में नियमित कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया जाएगा जबकि टीम की कप्तानी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या करेंगे। अभी एकदिवसीय सीरीज के लिए खिलाड़ी फिटनेस कैंप के लिए बंगलुरु में हैं। अहमदाबाद टेस्ट कितनी जल्दी खत्म होता है, इसके आधार पर सभी खिलाड़ियों को छेदा ब्रेक मिलेगा और फिर एकदिवसीय सीरीज शुरू होने से 2 दिन पहले 15 मार्च को ये सभी मुंबई में एकरतफा होंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, खिलाड़ी फिटनेस कैंप के लिए बंगलुरु में हैं। वे 14 मार्च को मुंबई जाएंगे। वहीं टेस्ट टीम में शामिल खिलाड़ी 15 मार्च को टीम से जुड़ेंगे। कोच राहुल द्रविड़ टीम के साथ रहेंगे। जो ब्रेक पर नहीं जा रहे हैं। रोहित शर्मा 19 मार्च को विशाखापट्टनम में होने वाले दूसरे एकदिवसीय में टीम के साथ जुड़ेंगे और कप्तानी भी करेंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के फोरन बाद खिलाड़ी अपनी अपनी आईपीएल फेंचर्डजी में शामिल होंगे और एनसीए उनकी फिटनेस पर निगरानी रखेगा। आईपीएल 31 मार्च से शुरू होगा। बीसीसीआई अधिकारी ने इसे लेकर कहा, पूरे आईपीएल में वर्ल्ड कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप योजना में शामिल खिलाड़ियों की निगरानी एनसीए की टीम करेगी



## पीएसपीबी शतरंज - राहुल नें प्रज्ञानन्दा को 26 चालों में हराकर चौकाया

पुणे (निकलेश जैन) शतरंज के खेल में भारत प्रतिभाओं से भरा पड़ है और हर रोज हमें कुछ चौकाने वाले परिणाम देखने को मिलते हैं इसी कड़ी में पुणे में चल रही 32वां इंटर यूनिट पीएसपीबी रैपिड टीम शतरंज चैंपियनशिप में 19 वर्षीय इंटरनेशनल मास्टर राहुल वी एस (ओएनजीसी बी) ने तीसरे दौर में दुनिया भर में ख्याति अर्जित कर चुके ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्दा (आईओसी ए) को पराजित करते हुए सबसे बड़ा उलटफेर किया। हालांकि राहुल की टीम ONGC B, IOC A से 1-3 के स्कोर से हार गई, लेकिन यह व्यक्तिगत जीत निश्चित रूप से उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है। 32वां इंटर यूनिट पीएसपीबी रैपिड टीम चैस चैंपियनशिप 2023 एक ऑन-नेट ड इवेंट है। इसमें भारत के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। फिलहाल 4 राउंड के बाद अपने सभी मैच जीतकर ओएनजीसी की मुख्य टीम सबसे आगे चल रही है।

# अंकिता रैना, ब्रेंडा फ्रूहविरतोवा आईटीएफ महिला ओपन के क्वार्टरफाइनल में



## बंगलुरु-

भारत की अंकिता रैना और चेक गणराज्य की शीर्ष वरीय ब्रेंडा फ्रूहविरतोवा ने अपना शानदार

प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां आईटीएफ महिला ओपन में एकल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। चौथी वरीय अंकिता ने राउंड 16 मैच में पसिना बहाये

बिना थाईलैंड की लनलाता तारारुदी को आसानी से 6-2, 6-1 से पराजित किया। वहीं 15 साल की ब्रेंडा ने तीन सेट की चुनौती से पार पाते हुए थाईलैंड की

पिंगटॉंग प्लीपुरच को 6-4, 3-6, 6-2 से शिकस्त दी। वहीं गैर वरीयता प्राप्त भारतीय रूतुजा भोंसले ने भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने लातिविया की डायना मारिंकेविचा को 4-6, 6-3, 6-2 से हराया। बाद में भोंसले ने युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने अपनी जोड़ीदार जैकलीन अवाद के साथ मिलकर तीसरी वरीयता प्राप्त साकी इमारुमा और चिया यिक साओ पर आसानी से 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। पर देश की एक अन्य खिलाड़ी जोल देसाई को इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त मारिंकेविचा ने 7-5 3-6 5-7 से हार का सामना करना पड़ा।



## संक्षिप्त समाचार

## सात हजार रन बनाने वाले तीसरे श्रीलंकाई क्रिकेटर बने मैथ्यूज

साउथी न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने

क्राइस्टचर्च। एंजेलो मैथ्यूज टेस्ट क्रिकेट में 7000 रन बनाने वाले तीसरे श्रीलंकाई क्रिकेटर बने हैं। कुमार संगकारा और महला जयवर्धने के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह तीसरे श्रीलंकाई बल्लेबाज हैं। मैथ्यूज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ही यह आंकड़ा हासिल कर लिया है। इसी के साथ ही मैथ्यूज ने अपने ही देश के पूर्व सलामी बल्लेबाज सन्थ जयसूर्या को भी पीछे छोड़ दिया। मैथ्यूज ने 98 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की सहायता से 47 रन बनाए। वह मैट हैनरी का शिकार बने। वहीं कीवी गेंदबाजी टिम साउथी ने भी एक रिकार्ड बनाया है। वह न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। साउथी ने इस मैच में स्पिनर डेनियल विटोरी को पीछे छोड़ा। साउदी के अब 93 टेस्ट मैच में 362 विकेट हो गए हैं जबकि विटोरी ने 112 टेस्ट मैच में 361 विकेट लिए थे। अब साउथी के निशाने पर दिग्गज गेंदबाज सर रिचर्ड हेडली के 86 मैचों में 431 विकेट टेस्ट हैं। इस प्रकार साउदी को न्यूजीलैंड की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने के रिकार्ड को तोड़ने के लिए केवल 70 विकेट और चाहिये।

## स्मिथ, लाबुशेन सहित ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जमकर होली खेली

अहमदाबाद। भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलियाई टीम भी होली खेलने से अपने आप को नहीं रोक पायी। चौथे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान स्टीव स्मिथ के साथ रंग खेला। रंग खेलने की तस्वीरें स्मिथ और अन्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने अपने-अपने ट्विटर अकाउंट से जारी की हैं। इन तस्वीरों में स्मिथ के साथ ही मार्नस लाबुशेन और अन्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर भी हैं। भारतीय टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2-1 से आगे है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम का लक्ष्य अंतिम मैच जीतकर सीरीज में बराबरी करना रहेगा। पहले दो टेस्ट भारतीय टीम ने जीते थे जबकि तीसरा टेस्ट ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीता। के पहले दो टेस्ट में शिकस्त के बाद तीसरे टेस्ट में भारत पर 9 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस टेस्ट में जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम का लक्ष्य विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए अपना नंबर एक स्थान बनाये रखना रहेगा। वहीं भारतीय टीम को अगर फाइनल में जगह बनानी है तो उसे हर हाल में ये मैच जीतना होगा। भारतीय टीम अगर यह टेस्ट जीत लेती है तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए आसानी से क्वालीफाई कर लेगी। वहीं हार के साथ ही उसके फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को झटका लगेगा। ऐसे में तीसरे स्थान पर चल रही श्रीलंकाई टीम को फाइनल में जगह बनाने का अवसर मिल जाएगा।

# ख्वाजा के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बनाये 4 विकेट पर 255 रन

## अहमदाबाद ।

यहां के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में गुरुवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर सीरीज का चौथा और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच शुरू हुआ। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उस्मान ख्वाजा के नाबाद शतक 104 रनों और कैमरुन ग्रीन के 49 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 255 रन बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 2 विकेट लिए जबकि आर अश्विन और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिया। आज के दिन का आकर्षण सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की पारी रही।

उन्हें कैमरुन का अच्छा साथ मिला। दोनों के बीच ही नाबाद 85 रन की साझेदारी हुई। ख्वाजा ने जिस प्रकार विपरीत हालातों में खेला उससे उन्होंने साबित किया कि वह अपनी देश की ओर से एशिया में खेलने वाले सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। इस मैच में टॉस जीतकर सलामी बल्लेबाजों ट्रैविंस हेड और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को शुरुआत दी। हेड और ख्वाजा ने पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की पर आर अश्विन और शमी ने एक-एक विकेट लेकर भारत की वापसी कराई। दो विकेट गिरने से भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाना शुरू किया पर दूसरे सत्र में एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दबदबा बना लिया। भारतीय टीम ने दो और विकेट लिए पर तब तक ग्रीन और ख्वाजा ने टीम को दिशा दे दी थी। शमी ने मार्नस लाबुशेन को आउट कर

मेहमान टीम को करारा झटका दिया। लाबुशेन तीन रन ही बना सके। लंच के समय तक ख्वाजा और कप्तान स्टीव स्मिथ 27 और दो रन पर नाबाद थे। लंच के बाद ख्वाजा ने हालातों के अनुसार बल्लेबाजी करते हुए खराब गेंदों का फायदा उठाया। वहीं स्मिथ ने भी संयम से खेलते हुए रन बनाये। ख्वाजा ने शमी की गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। ख्वाजा और स्मिथ के बीच नाबाद 77 रन की साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने चायकाल तक दो विकेट पर 149 रन बना लिए थे। चाय के बाद आगे खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट गंवाये। जडेजा ने स्मिथ 38 को बोलड किया जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब 17 को शमी ने पेवेलियन भेजा। छठे नंबर पर उतरे ग्रीन ने ख्वाजा का साथ दिया और तेज गति से रन बनाये।

## शमी की गेंद पर हैंड्सकॉम्ब का विकेट हवा में उछला

अहमदाबाद। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम का चौथा विकेट बल्लेबाज पीटर हैंड्सकॉम्ब का गिरा। हैंड्सकॉम्ब शमी की गेंद पर 17 रन बनाकर बोलड हो गये। शमी ने जिस प्रकार हैंड्सकॉम्ब के विकेट बिखेर दिये उससे सभी हैरान रह गये। शमी की इस गेंद को हैंड्सकॉम्ब ने रक्षात्मक तरीके से रोकने का प्रयास किया पर वह इसमें विफल रहे। इसका परिणाम यह हुआ कि गेंद ने उनके विकेट उखाड़ दिया। इस दौरान स्टंप को कुछ दूर तक हवा में उड़ते हुए भी देखा गया। चौथे टेस्ट मुकाबले में हैंड्सकॉम्ब का बल्ल नहीं चला और वह केवल 17 रन ही बना पाये।



# मुम्बई महिला प्रीमियर लीगः गुजरात जायंट्स ने आरसीबी को हराया

## मुम्बई ।

सोफिया डकले 65 और हरलीन देओल 67की शानदार बल्लेबाजी के बाद एशले गार्डनर की अच्छी गेंदबाजी की बदौलत महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को 11 रनों से हरा दिया। इस मैच में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए। आरसीबी की ओर से श्रेयांका पाटिल और हीथर नाइट ने सबसे ज्यादा 2-2 विकेट जबकि अन्य गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद मिले 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते

हुए आरसीबी की टीम 20 ओवरों में 6 विकेट पर 190 रन ही बना पाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की ओर से कप्तान स्मृति मंधाना और सोफी डिवाइन ने अच्छी शुरुआत की पर मंधाना 18 रनों पर ही आउट हो गई। इसके बाद सोफी और एलिस पेरी ने पारी को संभाला। सोफी ने 45 गेंदों में 8 चौके और 2 छक्के लगाकर 66 रन बनाये जबकि पेरी ने 25 गेंदों में 5 चौके लगाकर 32 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके जड़े। वहीं रिचा घोष मात्र 10 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। कनिंका अहुजा भी 10 रन ही बना पायीं। हीथर नाइट ने 11 गेंदों में 30 रनों की पारी खेली, हालांकि वह टीम को

जीत नहीं दिला पाई। गुजरात की ओर से एशले गार्डनर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम की शुरुआत सही नहीं रही और उसने मेघना 8 रन बनाकर तीसरे ही ओवर में पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद हरलीन देओल और सोफिया डकले ने पारी को संभाला। सोफिया ने 28 गेंदों में 11 चौके और 3 छक्के लगाकर 65 रन की पारी खेली। सोफिया के आउट होने के बाद हरलीन ने 45 गेंदों में 9 चौके और 1 छक्के की मदद से 67 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे। एशले गार्डनर 19,



दयालन हेमलता 16 और एनाबेल सदरलैंड 14 रन ही बना पायीं। कप्तान स्नेह राणा भी खेलीं। सोफिया के आउट होने के बाद किम गार्थ ने नाबाद 3 और शृणमा वर्मा ने नाबाद 5 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी।



लंदन में महिला फुटबॉल लीग में चेलेसा और ब्रिगटन के बीच मुकाबला हुआ।



## ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्युनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदानस्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

### डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

### हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

### इम्युनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्युनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मोसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

### कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

### आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

### हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

### वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।



हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे।

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

### काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो



यं ग दिखने के लिए अब आपको रॉयल जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद है। नोनी फल के स्वास्थ्य लाभ

- नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है
- नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- यह जोड़ों की समस्याओं को दूर करता है

गठिया से जुड़ा रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियों और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर

## हीमोग्लोबिन को मेंटेन करने में मदद करती हैं ये चीजे

आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 189 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नेक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

### पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नेक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

### बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1.05

मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

### अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 0.8 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

### मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते हैं, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 1.3 मिलीग्राम मिनीरल्स होते हैं।

## बेजोड़ सुंदरता और स्वास्थ्य चाहिए, तो रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।

- नोनी जूस आपके बालों के लिए बहुत अच्छा है
- पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपके स्कैल्प में खुजली, रुसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।
- यह थकान को कम करने के लिए जाना जाता है
- थकान का प्रमुख कारण आयरन की कमी है, जिससे एनीमिया हो सकता है। नोनी फल आयरन का एक बड़ा स्रोत है, और इसीलिए यह गर्भवती और रक्तनपान करने वाली माताओं के लिए भी बहुत अच्छा है। तो, अब आप जानते हैं कि यदि आप ऊर्जा पर कम हैं तो आपको क्या चाहिए।
- यूरिक एसिड को कम करता है
- उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।
- मानसून से संबंधित बीमारियों के लिए
- मानसून बीमारियों के साथ आता है। खांसी, जुकाम, बदन दर्द, बुखार, दस्त आदि। लेकिन आप में से जो नोनी फल खा रहे हैं, उन्हें सुरक्षा मिलेगी। इसका कारण, इम्युनिटी है!



## करेले में छुपे हैं ढेरों फायदे

कई ऐसी फल और सब्जियां हैं, जो हमारे लिए काफी गुणकारी हैं। ये हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ और फिट रखती हैं। कई लोग इनके फायदों से इतने अवगत नहीं होते। अब करेले को ही लीजिए। कड़वेपन के कारण कई लोग करेला खाना पसंद नहीं करते हैं, जबकि करेले में हमारे लिए ढेरों फायदे छुपे होते हैं।

करेले के फायदों को देखते हुए सभी को करेले को प्रमुखता से अपने खानपान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसे सब्जी के रूप में और साथ ही जूस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जानते हैं करेले खाने से हमें कितने फायदे मिलते हैं।

करेला हर किसी की सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि इसे खाकर लोग अक्सर कड़वा महसूस करते हैं। लेकिन करेला सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है इसलिए आपको इससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि आपको इससे दोस्ती करनी चाहिए। और हर दिन इसे अपनी डाइट में शामिल करें ताकि आपकी सेहत अच्छी रहे।

अगर आप करेले की सब्जी खाते हैं। तो ऐसे में आप जूस भी लें, इससे आपकी रिकन समस्या को भी काफी फायदा मिलता है। करेले का जूस पीने से आपका चेहरा भी ग्लो करता है। साथ ही बॉडी अच्छे से डिटॉक्स हो जाती है जिससे पेट कंट्रोल होता है। करेला विटामिन सी से भरपूर होता है। ऐसे में जाने कैसे करेले के जूस का इस्तेमाल करें।

डायबिटीज में फायदे

डायबिटीज में करेला हमेशा फायदेमंद साबित होता है। इसमें इंसुलिन जैसा प्रोटीन होता है जिसे पॉलीपेप्टाइड भी कहा जाता है। इसके साथ ही ये डायबिटीज के ब्लड शुगर लेवल को कम करता है म्ये नेचुरल तरीके से आपके

डायबिटीज को कम करता है, इसे खाली पेट पीएं।

लिवर के लिए फायदेमंद

करेले का जूस आपकी आंतों को साफ करता है, दरअसल जूस में मोमोर्डिका चाररेंटिया नामक एक तत्व पाया जाता है। ये एक एंटीऑक्सिडेंट है जो लिवर को मजबूत करके लिवर डैमेज से सुरक्षा प्रदान करता है, ये आपके ब्लेडर के काम को भी बढ़ावा देता है।

### मोटापा कम करे

करेले का जूस मोटापा कम करने में काफी मदद करता है। दरअसल करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे कैलोरी कंट्रोल में होती है और वजन नहीं बढ़ता है म्आप करेले का जूस लेगे तो इससे आपकी डिटॉक्स होता है, इसलिए आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ऐसे में करेले का जूस जरूर पीएं।

### रिकन के लिए अच्छा

करेले के जूस में विटामिन ए और सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सिडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी रिकन को अच्छा बनाता है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। ये आपकी रिकन की ओर कई सारी परेशानियों का भी हल निकलता है।

### हृदय के लिए

हृदय संबंधी परेशानियों में भी करेला फायदेमंद रहता है। यह हानिकारक वसा को हृदय की धमनियों में जमने नहीं देता जिससे रक्तसंचार सुचारु बना रहता है, और हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। करेले की पत्तियों या फल को पानी में उबालकर इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह का संक्रमण ठीक हो जाता है। वजन होगा कम करेले में मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट्स शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। सुबह के समय करेले के रस में नौबू की कुछ बूंदें मिलाकर पी जाएं तो शरीर डिटॉक्स होता है। इसके अलावा करेला हमारे शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ा देता है, जिससे पाचन सही रहता है और इन स्थितियों में वजन कम करना आसान हो जाता है।

## आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है सुबह की खाली पेट चाय की चुस्की

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनके लिए चाय एक एनर्जी ड्रिंक का काम करती है या फिर जिनकी सुबह ही एक कप गर्म प्याली चाय के साथ होती है तो यह खबर आपके लिए ही है। जो हा वया आप जानते हैं खाली पेट सुबह की चाय की गर्म चुस्की आपकी सेहत पर कितना बुरा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं।

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में अम्लीय और क्षारीय पदार्थों के असंतुलन की वजह से चयापचय प्रणाली बाधित हो सकती है। यह शरीर की नियमित चयापचय गतिविधि में हस्तक्षेप करके व्यक्ति को दिन भर परेशान रख सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, जब दूध को चाय के साथ मिलाया जाता है, तो दूध में मौजूद वजन घटाने के लिए जिम्मेदार तत्वों का असर कम हो जाता है। इसके अलावा दूध से बनी चाय पेट के एसिड को बढ़ाकर आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा

असर डाल सकती है। जो कि वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण हो सकता है।

**अल्सर की समस्या**

अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि उन्हें सुबह उठते ही एकदम स्ट्रॉन्ग और गर्मागर्म चाय पीना पसंद है। पर क्या आप जानते हैं सुबह-सुबह खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरूनी हिस्से पर चोट लग सकती है, जो आगे चलकर पेट के अल्सर का कारण भी बन सकता है।

**मोटापे की समस्या**

खाली पेट चाय पीने से उसमें घुली हुई चीनी शरीर में प्रवेश करती है, जिससे व्यक्ति का वजन बढ़ने के साथ मोटापा भी बढ़ता है।

**हड्डियों के लिए बुरी है चाय**

खाली पेट लंबे समय तक रोज कई कप

चाय के पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारी हो सकती है यह बीमारी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना देती है। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

**थकान और चिड़चिड़ापन**

ऐसा कहा जाता है कि चाय पीने से ताजगी आती है। हालांकि सच तो ये है कि सुबह दूध वाली चाय पीने से काम में थकान और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

**पाचन क्रिया पर बुरा असर**

सुबह उठते ही कई लोग खाली पेट चाय पीने लगते हैं। जिसकी वजह से उनके पेट में गैस बनने के साथ उनकी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। खाली पेट चाय पीने से पित्त की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। जिसकी वजह से मिचली और बेचैनी महसूस हो सकती है।

**तनाव बढ़ने का है कारण**

सुबह उठते ही फ्रेश और ऊर्जावान बने रहने के लिए लोग एक कप चाय पीना पसंद करते हैं। नतीजतन, ऐसे व्यक्तियों के शरीर में कैफीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है और उन्हें नींद न आने के साथ तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं घेर सकती हैं।

**हृदय रोग का खतरा**

खाली पेट चाय पीने से इसमें मौजूद कैफीन तेजी से शरीर में घुलने लगता है। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को प्रभावित करके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है।

### इस तरह से पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो हमेशा न ही ज्यादा गर्म और न ही अधिक ठंडी चाय पीएं। सुबह उठते ही चाय पीने की आदत है तो खाली पेट चाय पीने की जगह उसके साथ बिस्किट या स्नेक्स जरूर लें।





### ओडिशा : पुरी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग से 40 दुकानें खाक, 100 से ज्यादा लोगों को बचाया गया

पुरी । ओडिशा के पुरी में बुधवार रात एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई जिससे 40 दुकानें खाक हो गईं, जबकि 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गैंग रोड पर मरीचिकोट छक में लक्ष्मी मार्केट कॉम्प्लेक्स की पहली मजिल पर कपड़ों की एक दुकान में रात करीब नौ बजे आग लग गई। उन्होंने बताया कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की 40 दुकानों में से कुछ जलकर खाक हो गईं और दमकल की पांच गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगी हैं। पुलिस ने बताया कि इमारत की छत पर फंसे तीन लोगों को दमकलकर्मियों ने बहेरी की हालत में बाहर निकाला और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि सदियों पुराने जगन्नाथ मंदिर के करीब स्थित इस इमारत की एक मजिल पर एक होटल भी है। महाराष्ट्र के नासिक के करीब 106 पर्यटकों को होटल से सुरक्षित बचा लिया गया। उप दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार राउत ने बताया कि रात साढ़े दस बजे तक आग पर 90 प्रतिशत काबू पा लिया गया। पुरी के उप-कलेक्टर भवतारण साहू ने कहा, 'हम अभी भी यह बात लगाने में असमर्थ हैं कि आग कैसे लगी।' पुलिस ने कहा कि उन्हें संदेह है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी।

### ईडी ने बंगाल शिक्षक घोटाला मामले में टॉलीवुड अभिनेता बोनी सेनगुप्ता को किया तलब

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब बंगाली सिनेमा लिक पर केंद्रित जांच के दूसरे चरण में प्रवेश करता दिख रहा है। मामले में केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने टॉलीवुड अभिनेता बोनी सेनगुप्ता उर्फ अनुराग सेनगुप्ता को तलब किया है। अभिनेता ने कहा है कि वह मौजूदा सप्ताह के दौरान कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में साल्ट लेक में केंद्र सरकार के कार्यालय (सीजीओ) परिसर में एजेंसी के कार्यालय जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि गिरफ्तार युवा तुलसीकांद्रिका से नेता कुंतल घोष के दस्तावेजों की कॉपी-चेकिंग के बाद अभिनेता का नाम सामने आया, जो इस समय न्यायिक हिरासत में है। सूत्रों ने कहा कि सेनगुप्ता से इस बारे में पूछताछ की जाएगी कि क्या उनके और घोष के बीच कोई वित्तीय लेन-देन हुआ था और यदि हा, तो क्या उद्देश्य से हुआ था। गौरतलब है कि सेनगुप्ता ने अपने अभिनय की शुरुआत बंगाली फिल्म बोरबासे से की, जिसका निर्देशन लोकप्रिय फिल्म निर्देशक और उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान तुलसीकांद्रिका विधायक राज चक्रवर्ती ने किया था। सेनगुप्ता टॉलीवुड में बीते जमाने के लोकप्रिय अभिनेता-निर्देशक सुखेन दास के पीते हैं।

### कोलकाता के पास फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 4 करोड़ जब्त

कोलकाता । विधाननगर पुलिस कमिश्नरेंट के अधिकारियों ने बुधवार शाम अलक छापेमारी के बाद कोलकाता के बाहरी इलाके राजारहाट-न्यूटाउन इलाके में एक फर्जी कॉल सेंटर से लगभग 4 करोड़ रुपये की बेहिशाब नकदी जब्त की। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब्त की गई वास्तविक राशि 3.82 करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक थी। अधिकारी ने कहा नकदी के अलावा, बड़ी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषणों के साथ-साथ कई हार्ड-ड्राइव प्रीमियम ब्रांड की कलाई घड़ियां भी फर्जी कॉल सेंटर से बरामद की गईं। जब्त की गई वस्तुओं का मूल्यांकन अभी किया जाना बाकी है। इसके अलावा कॉल सेंटर के बाहर से चार महंगे प्रीमियम वाहन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने इस सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो हावड़ा जिले के लितुआह, दो महाराष्ट्र और एक गुजरात के रहने वाले हैं। पुलिस को संदेह है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति फर्जी कॉल सेंटर चलाने के अलावा अवैध हवाला लेनदेन में भी शामिल थे। अधिकारी ने कहा कि इस कॉल सेंटर के जरिए ये लोग मुख्य रूप से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बुजुर्ग नागरिकों को निशाना बनाते थे। अधिकारी ने कहा 'कि हमें संदेह है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति एक अंतरराष्ट्रीय जालसाजी रैकेट का हिस्सा हैं। हम इस अवैध व्यापार में उनके सहयोगियों और मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए उनसे पूछताछ करेंगे।

### पुणे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, अडाणी समूह की ईडी और जेपीसी से जांच कराने की मांग

पुणे । पुणे शहर में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शाखा के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि अडाणी समूह के वित्तीय मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराई जाए। पुणे शहर कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद शिंदे और पार्टी के अन्य नेताओं ने पुणे कलेक्टर के पास एसबीआई शाखा के बाहर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। शिंदे ने पूछा, 'हमारे नेता राहुल गांधी अडाणी समूह के शेयर दुर्घटना मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई जांच शुरू नहीं की गई है। अडाणी समूह के शेयरों में एसबीआई और एलआईसी के निवेश को भारी नुकसान हुआ है। किसने एलआईसी और एसबीआई को अडाणी समूह के शेयरों में पैसा लगाने के लिए कहा?' उल्लेखनीय है कि अमेरिकी से परिचालित हिंडनबर्ग रिस्क के आरोपों के बाद अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, अडाणी समूह ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वह सभी कानून और जानकारी देने संबंधी शर्तों का अनुपालन करता है।

### पाकिस्तान से भारत में घुसने की कोशिश कर रहा था बांग्लादेशी, बीएसएफ ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक को आठ और नौ मार्च की दरमियानी रात को पंजाब के अमृतसर सेक्टर के राजताल सीमा चौकी इलाके से पकड़ा गया। प्रवक्ता ने कहा, 'उद्युती पर तैनात बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे व्यक्ति पर गोली चलाई और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया।' उन्होंने बताया, 'शुरुआती पूछताछ से पता चला है कि गिरफ्तार व्यक्ति एक बांग्लादेशी नागरिक है। उससे आगे की पूछताछ के आधार पर भावी कार्रवाई की दिशा निर्धारित की जाएगी। आपका बता दें कि इससे पहले छह मार्च को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार देर शाम राजस्थान के मुनाबाओ में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो ईरानी नागरिकों को पकड़ा। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी थी। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एकत्रित प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दो विदेशी एक भारतीय टैक्सी चालक के साथ थे और वे लगभग चार दिन पहले मुंबई से तेलंगना के हैदराबाद के लिए निकले थे, लेकिन सिंध प्रांत में स्थित इसी नाम के पाकिस्तानी शहर को वैशिक स्थान-निर्धारण प्रणाली (जीपीएस) ने गलत तरीके से ढूंढ लिया था।

### 74 वर्ष की महिला ने दिया जुड़वा बच्चों को जन्म, बना विश्व रिकॉर्ड

गुंटूर । दुनियाभर में हमेशा कुछ न कुछ ऐसा होता रहता है, जो अद्भुत कहलाता है। ये ऐसी बातें या घटनाएं होती हैं, जिन पर हमें विश्वास नहीं होता है। लेकिन ऐसा होता है। आज हम जिस बात के बारे में बताते जा रहे हैं, वह भी कुछ ऐसी ही है। दरअसल आंध्र प्रदेश के गुंटूर शहर के अस्पताल में गुरुवार सुबह एक 74 वर्षीय महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। इन ट्विंटो फॉटलाइजिंग (आईवीएफ) प्रक्रिया के माध्यम से गर्भ धारण करने वाली महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। यह सर्वाधिक उम्र में मां बनने का विश्व रिकॉर्ड है। इसके पहले 70 वर्षीय दलजिंदर कौर को बच्चे को जन्म देने वाली दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला माना जाता था। हरियाणा की कौर ने 2016 में एक आईवीएफ प्रक्रिया के माध्यम से एक बच्चे को जन्म दिया था। चार डॉक्टरों की एक टीम ने सिलेजियन ऑपरेशन किया।

## भाजपा-नीत सरकार ग्रेटर टिपरालैंड जैसी मांगों का कभी समर्थन नहीं करेगी: स



अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और टिपरा मोथा सुप्रीमो प्रद्योत किशोर देबबर्मा के बीच हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के एक दिन बाद गुरुवार को कहा कि भाजपा-नीत सरकार 'टिपरालैंड' या 'ग्रेटर टिपरालैंड' जैसी मांगों का कभी समर्थन नहीं करेगी। 'ग्रेटर टिपरालैंड की मांग करने वाली क्षेत्रीय पार्टी टिपरा मोथा ने 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ें और 60 सदस्यीय त्रिपुरा विधानसभा में 13 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। मुख्यमंत्री साहा ने कहा, 'मूल निवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को कैसे ऊपर उठाया जाए, इस लेकर हमने जनजातीय कल्याण पर चर्चा की। बैठक में वार्ताकार नियुक्त करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया, लेकिन जनजातीय कल्याण पर चर्चा हुई।' केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ बैठक के तुरंत बाद, देबबर्मा ने दावा किया था कि केंद्र सरकार सुधारवादीक उपाय करने के लिए जनजातीय लोगों की समस्याओं के मद्देनजर आधिकारिक तौर पर एक वार्ताकार नियुक्त करने वाली क्षेत्रीय पार्टी टिपरा मोथा ने 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ें और 60 सदस्यीय त्रिपुरा विधानसभा में 13 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। मुख्यमंत्री साहा ने कहा, 'मूल निवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को कैसे ऊपर उठाया जाए, इस लेकर हमने जनजातीय कल्याण पर चर्चा की। बैठक में वार्ताकार नियुक्त करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया, लेकिन जनजातीय कल्याण पर चर्चा हुई।' केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ बैठक के तुरंत बाद, देबबर्मा ने दावा किया था कि केंद्र सरकार सुधारवादीक उपाय करने के लिए जनजातीय लोगों की समस्याओं के मद्देनजर आधिकारिक तौर पर एक वार्ताकार नियुक्त करने वाली क्षेत्रीय पार्टी टिपरा मोथा ने 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ें और 60 सदस्यीय त्रिपुरा विधानसभा में 13 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। मुख्यमंत्री साहा ने कहा, 'मूल निवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को कैसे ऊपर उठाया जाए, इस लेकर हमने जनजातीय कल्याण पर चर्चा की। बैठक में वार्ताकार नियुक्त करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया, लेकिन जनजातीय कल्याण पर चर्चा हुई।'

## किसानों की बात करना बंद करो वरना... टिकैत परिवार को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राकेश टिकैत के परिवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। किसान नेता ने केंद्रीय गृह मंत्री और सीएम योगी से बाहरी राज्यों में सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। पुलिस ने कहा कि मेरठ के किसान नेता राकेश टिकैत के परिवार को कथित तौर पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया और उनके 'सरकार विरोधी अभियान' के लिए पूर्व और उनके परिवार को उड़ाने की धमकी दी गई। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के प्रवक्ता के भतीजे गौरव टिकैत का बुधवार रात फोन आया। उसकी शिकायत पर मुजफ्फरनगर के भौरकाला थाने में मामला दर्ज किया गया। भौरकाला पुलिस स्टेशन के एसएफओ अक्षय शर्मा ने कहा कि 'अज्ञात कॉलर पर आईपीसी की धारा 507 के तहत मामला दर्ज किया गया है और उसकी पहचान के लिए जांच की जा रही है। एजेंसी से बात करते हुए बीकेयू यूथ विंग के अध्यक्ष गौरव टिकैत और संगठन के प्रमुख नरेश टिकैत के बेटे ने साझा किया कि उन्हें रात 9 बजे के आसपास कॉल आया। गौरव ने कहा, 'शुरुआत में मैंने इसे गंभीरता से नहीं लिया और कॉल काट दिया। बीकेयू यूथ विंग के प्रमुख ने कहा कि उस व्यक्ति के फिर से कॉल करने के बाद हमने इसे गंभीरता से लिया। कॉलर ने कहा कि राकेश टिकैत देश भर में घूम रहे हैं और आप लोग सरकार के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि फोन करने वाले ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और राकेश टिकैत के परिवार के सदस्यों को सरकार के खिलाफ अपना अभियान जारी रखने उड़ाने की धमकी दी। मुजफ्फरनगर में परिवार को बम से उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत ने सरकार से सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। उन्होंने देश के गृह मंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा कि परिवार के सदस्य दूसरे राज्यों में भी जाते हैं। इसलिए उन्हें वहां भी समुचित सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

### भाजपा विधायक को जमानत देने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी

लोकायुक्त भी जमानत खारिज करने के लिए अदालत के समक्ष दस्तावेज, सबूत और दलीलें मजबूती से पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। आरोपी भाजपा विधायक विरूपशर्मा को लोकायुक्त अधिकारियों के सामने पेश होना होगा, क्योंकि अदालत द्वारा दी गई 48 घंटे की समय सीमा समाप्त होगी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी विधायक पूछताछ के लिए पेश होने के लिए अपने गृह नगर से बंगलूर पहुंचे हैं। विधायक 6.1 करोड़ रुपये नकद के लिए संबंधित दस्तावेज भी लाए हैं, जो लोकायुक्त के छापे के दौरान उनके आवास पर मिले थे। उनके बेटे, प्रशांत मदन को सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई कर्नाटक साबुन और डिटेंट लिमिटेड (केएसडीएल) को कच्चे माल की खरीद के लिए कथित रूप से 40 लाख रुपये रिश्तत लेते हुए री हाथ पकड़ा गया था। आरोपी विधायक केएसडीएल के अध्यक्ष थे और उनका बेटा कथित रूप से अपने पिता की ओर से रिश्तत ले रहा था। अधिकारियों ने आरोपी भाजपा विधायक विरूपशर्मा और उनके बेटे प्रशांत के आवासों से 8.12 करोड़ रुपये, 1.6 किलोग्राम सोना जब्त किया था, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

### मछुआरों ने पकड़ा कैमरा व माइक्रोचिप से लैस जासूसी कबूतर, पंखों पर लिखा संदेश, जांच में जुटी पुलिस

पारादीप । ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले के पारादीप तट के पास कैमरा और माइक्रोचिप से लैस एक कबूतर पकड़ा गया है। पुलिस को संदेह है कि पक्षी का इस्तेमाल जासूसी के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुछ दिन पहले कुछ मछुआरों ने समुद्र में मछली पकड़ते हुए कबूतर को अपनी नाव (टॉलर) पर बैठा पाया था। पक्षी को पकड़ लिया गया है और बुधवार को यहां मरीन पुलिस को सौंप दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हमारे पशु चिकित्सक पक्षी की जांच करेंगे। हम इसके पैरों से जुड़े उपकरणों की जांच के लिए राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की मदद लेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि ये उपकरण एक कैमरा और एक माइक्रोचिप हैं। हालांकि, क्या है जांच में सामने आएगा। उन्होंने बताया पक्षी के पंखों पर स्थानीय पुलिस के लिए कुछ अज्ञात भाषा में लिखा गया है। इसको समझने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी, ताकि पता चल सके कि यह कौन सी भाषा है और यह क्या लिखा है। इससे पहले विदेशी मीडिया में अमेरिका के आसमान में उड़ते हुए जासूसी उपकरणों का जिक्र किया गया, इसके बाद अब भारत भी चर्चा में है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमेरिका के आसमान में चीन के जासूसी गुब्बारे को मार गिराया गया था। इसके कुछ ही दिन बाद 3 और संदिग्ध चीजें आसमान में उड़ती हुई देखी गई थीं। हालांकि, भारत के मामले में अभी यह जांच में साफ हो पाएगा कि कबूतर कहाँ से आया और उसके पैरों में बंधी अजीब सी चीज क्या है।

## महाराष्ट्र में भाजपा से दुश्मनी, नगालैंड दोस्ती...पवार की कूटनी राजनीति

### -महाविकास अघाड़ी गठबंधन में पड़ सकती हैं दरार

मुंबई (एजेंसी)। राजनीति के पुराने चाणक्य एनसीपी सुप्रीमों और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के दिमाग में क्या चल रहा है। इसका अंदाजा लगाना उनके सहयोगियों ने लिए भी काफी मुश्किल होता है। एक ओर महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में एनसीपी की सहयोगी उद्भव उद्योग गृह की शिवसेना बीजेपी को पानी पी-पीकर कोस रही है। इन बीजेपी पवार ने नगालैंड में एनडीपीपी-बीजेपी गठबंधन को अपना समर्थन दिया है। हालांकि, पवार ने स्पष्ट कर दिया है, कि गठबंधन को समर्थन देने का मतलब बीजेपी को समर्थन देना नहीं है। हालांकि चुनाव में एनसीपी ने 7 सीटों पर कब्जा जमाया है। बीजेपी को 12 सीटें मिली हैं। वहीं एनडीपीपी (नेशनल डेमोक्रेटिक पीपुल्स पार्टी) ने कुल 60 सीटों में 25 सीटें चुनाव में जीती हैं। एनडीपीपी और बीजेपी का चुनाव से पहले गठबंधन था। एनसीपी का कहना है कि इस मामले पर हमारी एनडीपीपी के नेतृत्वियों के साथ पहले ही चर्चा हुई थी। एनसीपी ने नगालैंड की



जनता के हित को ध्यान में रखकर रियों को समर्थन दिया है। एनसीपी के प्रवक्ता नरेंद्र वर्मा ने कहा कि नगालैंड में चुने हुए विधायकों की इच्छा थी कि जनता के हित के लिए हमें सरकार का हिस्सा होना चाहिए। इसके बाद में यह मुद्दा एनसीपी प्रमुख पवार के पास लाया गया। जिस पर पवार ने समर्थन देने की बात कही है। एनसीपी ने साफ किया है कि हमारा समर्थन पूरी तरह से रियों के लिए है। बीजेपी को हमने अपना समर्थन नहीं दिया है। पवार के फैसले का असर महाराष्ट्र में सहयोगी शिवसेना और कांग्रेस पर भी पड़ सकता है। ठाकरे

गुट के विधायक भास्कर जाधव के अं एमवीए की बैठक में लिए गए फैसले की नहीं है। चर्चा है कि विधानसभा बजट स दिन पहले एमवीए नेताओं की संयुक्त बैठक में अप्रैल और मई के महीने में संयुक्त बैठक चर्चा हुई। माना जा रहा है कि नगालैंड में एनडीपीपी के समर्थन को लेकर उल्लास, इस बात की भी चर्चा है कि उद्भव ठाकरे को इस बारे में विश्वास में नहीं साल 2014 के चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई थी। वह बिना सहारे के सरकार बना पाने की नहीं थी। उस समय भी एनसीपी प्रमुख शर बीजेपी को सरकार में बाहर से समर्थन घोषणा की थी। उस समय देवेन्द्र फडणवीस के सीएम बने थे। पवार ने कहा कि चुनाव मेघालय में चुनाव के दौरान पीएम मोदी अं शाह ने विरोधियों पर अछारत के गंभी लगाए। जबकि नतीजे आने के बाद उन्होंने साथ सरकार बनाने के लिए गठबंधन कर।

## कश्मीर में कभी आतंकवादियों का गढ़ हुआ करता था डोड सेना ने आतंक को जड़ से किया साफ और लहराया 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी जिले डोडा में गुरुवार को भारतीय सेना द्वारा 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया। चिनाब घाटी क्षेत्र में सेना द्वारा फहराया गया यह दूसरा ऐसा हाई-मास्ट ध्वज था। रिपोर्ट्स में कहा जाता है कि यह जगह एक दशक पहले आतंकवाद का गढ़ हुआ करती थी। पिछले साल जुलाई में, पास के किश्तवाड़ शहर में 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया था। सेना के डेल्टा फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अजय कुमार ने सेक्टर 9, राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडर, डिमेंडियर सीमा के पलांडे, डोडा के उपायुक्त विशेष पॉल महाजन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अब्दुल क़यूम के साथ डोडा स्पॉट्स स्टैडियम में सबसे ऊंचे झंडे को फहराया। मेजर जनरल कुमार ने राष्ट्र की सेवा में शहीद हुए सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया और नागरिक समाज के उन सदस्यों को भी सम्मानित किया जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जीओसी ने कहा, 'सबसे ऊंचा झंडा चिनाब घाटी क्षेत्र के अनभिज्ञ सैनिकों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।' उन्होंने कहा कि डोडा में अपनी तरह का पहला 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज न केवल सेना के लिए बल्कि पहाड़ी शहर में 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया था। मेजर जनरल कुमार ने कहा, 'राष्ट्रीय ध्वज, जिसे दूर से देखा जा सकता है, हर नागरिक को देश के लिए गर्व महसूस कराएगा।' डोडा की खूबसूरत और सहजतमंद पहाड़ियों के बीच स्थित, यह झंडा इस स्थान के आकर्षण को और बढ़ा देता है। डोडा के उपायुक्त विशेष पॉल महाजन ने कहा कि 'प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ध्वज जो लंबा और सुंदर खड़ा है, की भावना को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है, लेकिन निश्चित रूप से यह भारत के प्रत्येक नागरिक को गर्व से भर रहा है। यह निश्चित रूप से देश के लिए अपनेपन की भावना पैदा करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।' डोडा के निवासी, विशेष रूप से युवा पीढ़ी, स्थानीय लोगों, विशेष रूप से छात्रों और 'वीर नारियों' (युद्ध विधवाओं) ने, जो इस कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे, सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। भारतीय सेना के इतिहास में सबसे अलंकृत सैनिक नायब सूबेदार चुन्री लाल की पत्नी चिंता देवी ने कहा, 'इस कार्यक्रम में हमें आमंत्रित करके, सेना ने मुझे मेरे शहीद पति की उपलब्धियों पर गर्व महसूस कराया है। यह हमारी सेना की सुंदरता है कि वे सैनिकों और उनके परिवारों के बलिदान को कभी भी भूलती हैं।' 24 जून, 2007 को नायब सूबेदार लाल, जिन्हें अशोक चक्र (मरणोपरान्त), वीर चक्र और सेना पदक से सम्मानित किया गया था, ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के माध्यम से

है। यह निश्चित रूप से देश के लिए अपनेपन की भावना पैदा करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।' डोडा के निवासी, विशेष रूप से युवा पीढ़ी, स्थानीय लोगों, विशेष रूप से छात्रों और 'वीर नारियों' (युद्ध विधवाओं) ने, जो इस कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे, सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। भारतीय सेना के इतिहास में सबसे अलंकृत सैनिक नायब सूबेदार चुन्री लाल की पत्नी चिंता देवी ने कहा, 'इस कार्यक्रम में हमें आमंत्रित करके, सेना ने मुझे मेरे शहीद पति की उपलब्धियों पर गर्व महसूस कराया है। यह हमारी सेना की सुंदरता है कि वे सैनिकों और उनके परिवारों के बलिदान को कभी भी भूलती हैं।' 24 जून, 2007 को नायब सूबेदार लाल, जिन्हें अशोक चक्र (मरणोपरान्त), वीर चक्र और सेना पदक से सम्मानित किया गया था, ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के माध्यम से



चुसपैठ करने की कोशिश कर रहे आतंकवादियों के एक समूह से लड़ते हुए देश की सेवा में अपना बलिदान दिया। डोडा की एक छात्रा सिमरन शर्मा (14) ने कहा कि वह इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने के लिए भाग्यशाली है। समारोह में हिस्सा लेने वाली एक लड़की ने कहा 'मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर मुझे प्रदर्शन करने देने की स्थाना पर गर्व महसूस कर रहा' वह उस समय की याद दिलाता आतंकवाद के कारण कहीं भी राष्ट्र नहीं देखा जाता था।

## हार्ट अटैक से एक और जान गई,

# क्रिकेट के बाद योगा कर रहा था 44 वर्षीय शख्स

क्रांति समय, सुरत  
www.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, हार्ट अटैक की लगातार घटनाएं बढ़ रही हैं और बीते दो महीने के भीतर गुजरात में कई लोगों की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो चुकी है। सुरत आज एक और शख्स की हार्ट अटैक से मौत हो गई। सुरत में क्रिकेट के बाद योगा कर रहे 44 वर्षीय शख्स की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सुरत में किरण चौक के निकट हरे कृष्ण पार्टी प्लाट में नियमित लोग एरोबिक्स और योगा करने आते हैं। रोज की भांति आज भी सुबह लोग



योगा और एरोबिक्स कर रहे थे। जिसमें 44 वर्षीय मुकेश मंदपरा भी शामिल थे। पार्टी प्लाट में पहुंचने के बाद मुकेश ने पेट में जलन और एसोडीटी की शिकायत की थी। कुछ

देर आराम के बाद योगेश भी योगा करने लगे और अचानक ढेर हो गए। मुकेश को तुरंत निकट के डायमंड अस्पताल पहुंचाया गया। जहां मौजूद डॉक्टर ने मुकेश मंदपरा को मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई और युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ऐसा पहली बार नहीं है कि किसी युवक की अचानक हार्ट अटैक की वजह से मौत हुई हो।

इससे पहले भी कई युवकों को क्रिकेट और फुटबोल खेलते खेलते दिल का दौरा पड़ने से मौत हो चुकी है।

## अहमदाबाद में बुधवार को होली के दौरान एक मंदिर में रंगों की बौछार करते हुए वहां आये हुए लोग।



## केन्द्रीय मंत्री अमित शाह आज अहमदाबाद को 195 करोड़ के विकास कार्यों की भेंट देंगे

क्रांति समय, सुरत  
www.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को अहमदाबाद को 195 करोड़ के विकास कार्यों की सौगाद देंगे। अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) और अहमदाबाद नगर विकास प्राधिकरण (ओडा) के विकास कार्यों का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। इन विकास कार्यों में 5 स्मार्ट स्कूल, सनाथल ऑवर ब्रिज समेत 2

सोनियर सिटीजन पार्क शामिल हैं। ओडा ने सनाथल जंक्शन पर रु 110.77 करोड़ की लागत से फ्लाई ऑवर ब्रिज का निर्माण किया है। इस ब्रिज की कुल लंबाई 1.38 किलोमीटर है, जिसमें 50.48 मीटर का रेलवे का हिस्सा है और दोनों ओर 1400 मीटर 32 का सर्विस रोड व रिटैनिंग वाल के साथ फोर लेन सोलिड एप्रोच है। इस रेलवे ऑवर ब्रिज की चौड़ाई 33.750 मीटर है, जिसमें केट आई, सनाथल ऑवर ब्रिज समेत 2 पट्टा और साइन बोर्ड इत्यादि रोड फर्निचर है। इस ब्रिज का लोकार्पण होने से सरदार पटेल सिंग रोड पर दैनिक आवागमन करते छोटे-बड़े 30 हजार जितने वाहनों को सरलता होगी। राजकोट की और आवाजाही करने वाले वाहन चालकों को भी सरलता होगी साथ ही ईंधन की भी बचत होगी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 मार्च को दिल्ली से अहमदाबाद में फ्लाई ऑवर ब्रिज समेत अन्य विकास कार्यों को वर्चुअली लोकार्पण करेंगे।

## भारत के पीए मोदी तथा ऑस्ट्रेलियाई

# पीएम अल्बनीस की उपस्थिति में टेस्ट मैच का प्रारंभ

भारत-ऑस्ट्रेलिया की '75 इयर्स ऑफ़ फ्रेंडशिप थ्रू क्रिकेट' का नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भव्य समारोह

क्रांति समय, सुरत  
www.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस एमपी की उपस्थिति में गुजरात को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत तथा ऑस्ट्रेलिया के '75 इयर्स ऑफ़ फ्रेंडशिप थ्रू क्रिकेट' का भव्य शुभारंभ आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत एवं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित थे।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का अंतिम मैच विश्व के सबसे बड़े तथा अहमदाबाद स्थित नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में प्रारंभ हुआ। टेस्ट मैच आरम्भ होने से पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री



एंथनी अल्बनीस ने अपने-अपने देश की क्रिकेट टीम के कप्तानों क्रमशः रोहित शर्मा तथा स्टीव स्मिथ को केप देकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा एंथनी अल्बनीस ने स्टेडियम में उपस्थित सभी लोग भारत व ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान गायन में शामिल हुए।

राष्ट्रगान के बाद दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने अपने-अपने देश की टीम के खिलाड़ियों के साथ हाथ मिला कर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा एंथनी अल्बनीस ने दोनों देशों के बीच 75 वर्ष की क्रिकेट मैत्री की झलक दर्शाने वाली गैलरी भी देखी। दोनों नेताओं ने स्टेडियम की प्रेसिडेंशियल गैलरी में बैठ कर मैच की शुरुआत के कुछ पलों की झलक भी देखी।

मैच शुरू होने से पहले ग्राउंड पर खिलाड़ियों ने परम्परागत गुजराती गरबा खेला। इस अवसर पर गुजरात राज्य के मंत्री एवं राज्य के मुख्य सचिव राज कुमार सहित उच्चाधिकारी, BCCI के सचिव जय शाह सहित अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

## डीकिन यूनिवर्सिटी तथा भारतीय शिक्षा संस्थान, उद्योग एवं सरकार के बीच पार्टनरशिप परिणामोन्मुखी बनेंगे : मुख्यमंत्री

क्रांति समय, सुरत  
www.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीस, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री ऋषिकेश पटेल की उपस्थिति में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीकिन यूनिवर्सिटी का गुजरात में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात आज देश का रोल मॉडल बना है और उन्हीं के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुजरात को एजुकेशन हब बनाने का मिशन भी कार्यान्वित किया है। साथ ही साथ, एजुकेशन पॉलिसी के अंतर्गत भारत की शिक्षा नीति को अंतरराष्ट्रीय स्तरीय बनाने की पहल भी प्रधानमंत्री के ही मार्गदर्शन में की गई है। पटेल ने आगे कहा कि भारत में फॉरेन यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ज्वॉइंट/ड्युअल/डिग्री ड्राफ्ट रेगुलेशन का समावेश किया गया है। इस परिप्रेक्ष्य में ऑस्ट्रेलिया की डीकिन



यूनिवर्सिटी गांधीनगर के निकट गिफ्ट सिटी में अपना कैम्पस शुरू कर रही है, जो गुजरात के लिए गौरव की बात है। डीकिन यूनिवर्सिटी का 'भारत में, भारत के साथ और भारत के लिए' दृष्टिकोण स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि भारत व डीकिन यूनिवर्सिटी के बीच पिछले लगभग तीन दशकों से स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप है। उन्होंने कहा कि डीकिन यूनिवर्सिटी तथा भारतीय शिक्षा संस्थान, उद्योग व सरकार के बीच पार्टनरशिप परिणामोन्मुखी बनेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इतना ही नहीं, उद्योग जगत में ग्रेजुएट मैनपावर उपलब्ध

करने के लिए गिफ्ट सिटी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को साकार करने में डीकिन यूनिवर्सिटी-इंटरनेशनल ब्रांच कैम्पस सहायक बनेगा। पटेल ने गिफ्ट सिटी के विश्व के लिए भारत का प्रथम फाइनेंशियल एण्ड टेक्नोलॉजी गेट-वे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि गिफ्ट सिटी में बैंकिंग, इंश्योरेंस एवं फाइनेंशियल मार्केट में अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के लिए विश्व स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जो इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीयों गिफ्ट सिटी में अपने ब्रांच कैम्पस खोलना चाहती हैं, उन सभी को सहयोग देने के लिए गुजरात तत्पर है। मुख्यमंत्री ने

कहा कि ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के साथ गुजरात ने वर्ष 2018 में सिस्टर सिटी एग्रीमेंट भी किया है। इतना ही नहीं, गुजरात एवं ऑस्ट्रेलिया के बीच लम्बे समय से नागरिक सम्पर्क भी रहा है। भारत तथा ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाई देने के लिए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) एक सक्षम माध्यम बना है। भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात के आज देश का ग्रोथ इंजन बनने का उल्लेख कर कहा कि द्विपक्षीय संबंधों तथा मुक्त व्यापार समझौते का विशेष लाभ गुजरात को मिलेगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज जब जेम्स एण्ड ज्वेलरी, एग्रीकल्चर, टूरिज्म, हेल्थ एण्ड फार्मा तथा एनर्जी जैसे बहुविध क्षेत्रों में गुजरात भारत का अग्रगण्य राज्य है, तब फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के अंतर्गत वर्ष 2027 तक भारत एव ऑस्ट्रेलिया के बीच पचास बिलियन यूएस डॉलर के ट्रेड एण्ड कॉमर्स के संभावित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गुजरात भी महत्वपूर्ण योगदान करेगा।

## गांधी के आदर्श व जीवन मूल्य आज भी विश्व को प्रेरणा देते हैं: ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीस

क्रांति समय, सुरत  
www.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात की यात्रा पर आए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने बुधवार को अहमदाबाद में साबरमती आश्रम का दौरा किया। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के केन्द्र समान तथा महात्मा गांधी की कर्मभूमि गांधी आश्रम परिसर में स्थित गांधीजी की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पण कर धन्यता की अनुभूति की। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के

इस दौर के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा मुख्य सचिव श्री राज कुमार भी उनके साथ उपस्थित रहे। एंथनी अल्बनीस ने महात्मा गांधी के निवास स्थान हृदय कुंज की मुलाकात ली। उन्होंने गांधीजी के तैलचित्त को सूत की माला पहना कर वंदना की और गांधी आश्रम में चरखा चला कर सूत कातने की प्रक्रिया का निदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने गांधी आश्रम की मुलाकात के अपने अनुभव व अनुभूति का

विजिटर्स बुक में वर्णन करते हुए लिखा, "पूज्य गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित करना एक महान सम्मान की बात है। उनके आदर्श व जीवन मूल्य आज भी विश्व को प्रेरणा देते हैं। गांधी मूल्यों से हमें बहुत सीखना है।" साबरमती आश्रम न्यास के अग्रणियों ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री को गांधी चरखा तथा पुस्तक प्रदान कर उनका स्वागत-सम्मान किया तथा उन्हें आश्रम से जुड़ी विभिन्न जानकारी प्रदान की।

## पीएम मोदी ने राजभवन में सरकार और संगठन के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की

क्रांति समय, सुरत  
www.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गांधीनगर स्थित राजभवन में राज्य सरकार और भाजपा संगठन के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। करीब डेढ़ घंटे तक चली बैठक में पीएम मोदी ने राज्य के विकास कार्यों को लेकर समीक्षा की। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य अग्र सचिव कैलाशनाथन, मुख्य सचिव राजकुमार समेत

वरिष्ठ अधिकारी, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील, राज्य के कैबिनेट मंत्री उपस्थित रहे। बैठक में मेट्रो ट्रेन, बुलेट ट्रेन, साबरमती रिडेवलपमेंट समेत मुद्दों पर चर्चा की गई। सरकार और संगठन की बैठक के बाद पीएम की उपस्थिति में अन्य महत्वपूर्ण बैठकें भी हुईं। जिसमें बोर्ड-निगम में नई नियुक्ति राज्य के मंत्रिमंडल के विस्तार जैसे विषयों पर पीएम मोदी ने चर्चा की। बैठकों के बाद पीएम मोदी दोपहर 3 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इससे पहले पीएम मोदी अहमदाबाद के मोटेरा क्षेत्र स्थित नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पहुंचे। जहां ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस के साथ भारत और ऑस्ट्रेलिया बीच चल रही टेस्ट श्रृंखला की आखिरी क्रिकेट मैच देखी। मैच शुरू होने से पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के खिलाड़ियों से मुलाकात भी की।

## नाॅन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी

क्रांति समय, सुरत  
www.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद, पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के कटनी-सिंगरौली सेक्शन में दोहरीकरण के संबंध में नाॅन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जो इस प्रकार है- 15 मार्च 2023 को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 19413 अहमदाबाद-

कोलकाता एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग कटनी मुडवारा-चौपन-गढ़वा रोड की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया कटनी मुडवारा-प्रयागराज छिवकी-कटनी मुडवारा के रास्ते चलेगी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं.-प्रयागराज छिवकी-कटनी मुडवारा के रास्ते चलेगी। यात्रियों से निवेदन है कि उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करें। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।